PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 302 ● भिलाई, शनिवार 13 जून 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

अपहरण के बाद छह लोगों को उतारा मौत के घाट

इंफाल। मणिपुर के लीलोन वैफेई गांव से 13 मई 2026 को कथित अपहरण के बाद लापता हुए नागा समुदाय के छह लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं। सभी शवों को इंफाल स्थित जवाहरलाल नेहरू आयुर्विज्ञान संस्थान के शवगृह में रखा गया है। करीब 28 दिनों बाद शवों के बरामद होने से क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। परिजन और समुदाय के लोग अब शवों की पहचान और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। लियांगमाई नागा काउंसिल मणिपुर के अध्यक्ष टिमोथी विजुनामाई ने कहा कि सबसे पहले यह सुनिश्चित किया जाएगा कि बरामद शव वास्तव में उन्हीं छह लापता लोगों के हैं। उन्होंने कहा, सबसे पहले हमें यह देखना होगा कि शव किस स्थिति में हैं। हमें यह पुष्टि करनी होगी कि ये वास्तव में हमारे वही छह लोग हैं जो लापता हुए थे। विजुनामाई ने आगे कहा कि शवों की पहचान और अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं के बाद पीड़ित परिवारों के साथ बैठक कर आगे की कार्रवाई पर निर्णय लिया जाएगा।

50 श्रद्धालुओं से भरी नाव पलटने से 2 महिलाओं की दर्दनाक मौत

बीड। महाराष्ट्र के बीड जिले से एक बेहद दर्दनाक खबर सामने आई है। यहां पुरुषोत्तमपुरी में गोदावरी नदी के अंदर करीब 50 श्रद्धालुओं से भरी एक नाव अचानक पलट गई। इस खौफनाक हादसे में डूबने से दो महिला श्रद्धालुओं की जान चली गई है, जबकि एक अन्य बुजुर्ग महिला अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रही है। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। जानकारी के अनुसार, यह हादसा उस वक्त हुआ जब श्रद्धालु अधिक मास यात्रा के दौरान देश के एकमात्र भगवान पुरुषोत्तम मंदिर में दर्शन के लिए नदी पार कर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों का स्पष्ट आरोप है कि नाव में उसकी क्षमता से कहीं ज्यादा यात्रियों को बैठाया गया था। इसी घोर लापरवाही के कारण बीच नदी में नाव का संतुलन बिगड़ गया और वह पलट गई। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने बिना समय गंवाए पानी में छलांग लगा दी और डूब रहे कई लोगों को सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया।

जिम संचालक की 10 गोलियां मारकर हत्या

हांसी। हरियाणा के हांसी में सुबह एक जिम संचालक की हत्या से सनसनी फैल गई। हमलावरों ने जिम संचालक पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाई थीं। इस दौरान, एक अन्य युवती भी गोलीबारी में घायल हुई है। जानकारी सामने आई कि हांसी के फव्वारा चौक के पास गुरुवार सुबह करीब 5:30 बजे बाइक सवार हमलावरों ने जिम संचालक पर अंधाधुंध फायरिंग की। हमलावरों ने 5 सेकेंड के भीतर करीब 10 राउंड फायर किए, जिनमें कई गोलियां जिम संचालक की पीठ और सिर में लगीं। गंभीर चोटों के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के समय जिम संचालक चौक के पास दुकानों के रैंप पर युवक-युवतियों को सुबह की एक्सरसाइज करवा रहा था।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने नया नियम लागू किया

अब एक दिन में 200 लीटर से ज्यादा नहीं मिलेगा ईंधन...

नई दिल्ली/ एजेंसी

अब एक दिन में 200 लीटर से ज्यादा पेट्रोल या डीजल नहीं मिलेगा। केंद्र सरकार ने ईंधन की जमाखोरी और कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए नया आदेश जारी किया है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, देशभर के पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल-डीजल की बिक्री को लेकर नए नियम लागू किए गए हैं। सरकार का कहना है कि मौजूदा अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों और आपूर्ति संबंधी चुनौतियों को देखते हुए यह कदम उठाया गया है, ताकि आम लोगों और आवश्यक सेवाओं के लिए ईंधन की उपलब्धता बनी रहे। केंद्र सरकार ने मोटर स्पिरिट और हाई स्पीड डीजल (खुदरा बिक्री केंद्रों के माध्यम से प्रदाय का अस्थायी विनियमन) आदेश, 2026 जारी किया है। सरकार ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय हालात, सप्लाई चेन पर दबाव और ईंधन की संभावित जमाखोरी को देखते हुए पेट्रोल-डीजल की उपलब्धता बनाए रखना जरूरी है। इसी उद्देश्य से पेट्रोल पंपों पर बिक्री को लेकर कुछ प्रतिबंध लगाए गए हैं। किसी भी व्यक्ति, संस्था, उद्योग या व्यावसायिक उपभोक्ता को अपनी सामान्य जरूरत से अधिक पेट्रोल या डीजल खरीदने की अनुमति नहीं होगी। ईंधन केवल वास्तविक आवश्यकता के अनुसार ही दिया जाएगा। 2. वाहनों के टैंक में ही मिलेगा ईंधन पेट्रोल पंप संचालक पेट्रोल या डीजल केवल वाहन के टैंक अथवा क्षस्ह मानकों के अनुरूप स्वीकृत कंटेनर में ही भर सकेंगे। 3. एक दिन में 200 लीटर की सीमा खुदरा बिक्री केंद्र

किसी ग्राहक को एक दिन में 200 लीटर से अधिक पेट्रोल या डीजल नहीं बेच सकेंगे। इससे बड़ी मात्रा में ईंधन खरीदकर भंडारण करने पर रोक लगेगी। 4. तेल कंपनियों की जिम्मेदारी बढ़ी सरकारी और निजी तेल विपणन कंपनियों को इन नियमों का पालन सुनिश्चित करना होगा। किसी भी प्रकार की अनियमितता मिलने पर कार्रवाई की जा सकेगी। अधिसूचना में कहा गया है कि वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों का असर अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार, शिपिंग लॉजिस्टिक्स और ईंधन आपूर्ति पर पड़ सकता है। ऐसे में कुछ क्षेत्रों में जमाखोरी और घबराहट में खरीदारी की आशंका बढ़ जाती है। सरकार चाहती है कि पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता सभी उपभोक्ताओं तक समान रूप से बनी रहे और आवश्यक सेवाएं प्रभावित न हों। आदेश के उल्लंघन पर आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 और अन्य लागू कानूनों के तहत कार्रवाई की जा सकेगी। राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को भी आदेश के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए हैं। दिल्ली में जहां रिटेल पेट्रोल पंप पर डीजल की कीमत 95.20 रुपये प्रति लीटर है, वहीं बल्क ग्राहकों के लिए यही डीजल 134.50 रुपये प्रति लीटर पड़ रहा है। यानी प्रति लीटर करीब 39 रुपये का अंतर है। इसी वजह से बड़ी मात्रा में डीजल खुदरा पंपों से खरीदा जा रहा था, जिससे कई क्षेत्रों में कमी की स्थिति बनने लगी थी।

आम उपभोक्ताओं पर क्या होगा असर?

सरकार ने स्पष्ट किया है कि सामान्य वाहन चालकों और घरेलू उपभोक्ताओं को घबराने की जरूरत नहीं है। पेट्रोल और डीजल की सप्लाई सामान्य बनी रहेगी। यह कदम मुख्य रूप से बड़े कमर्शियल और इंडस्ट्रियल कंज्यूमर को टार्गेट करता है। अब तक कई ट्रांसपोर्ट कंपनियां और उद्योग निर्धारित बल्क डिपो की बजाय पेट्रोल पंपों से डीजल खरीद रहे थे। इसकी मुख्य वजह कीमतों का अंतर था। सरकार का कहना है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव, वैश्विक सप्लाई चेन में बाधाएं और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण फ्यूल सप्लाई पर दबाव बढ़ गया है। ऐसे में देशभर में पेट्रोल और डीजल की समान उपलब्धता सुनिश्चित करने, जमाखोरी रोकने और सप्लाई को सुचारू बनाए रखने के लिए यह फैसला लिया गया है।

खेल जगत में शोक की लहर

द्रोणाचार्य अवॉर्डी जसपाल राणा का हुआ निधन.........

नईदिल्ली/ एजेंसी

भारतीय खेल जगत से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। देश के मशहूर निशानेबाजी कोच और एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता जसपाल राणा का 49 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन की खबर से खेल जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। बताया जा रहा है कि जर्मनी से लौटने के बाद उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई थी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि, उनके निधन के वास्तविक कारणों को लेकर अभी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। जसपाल राणा हाल ही में म्यूनिख में आयोजित इ्रस्स्न विश्व कप से भारतीय टीम के साथ लौटे थे। वे भारतीय पिस्टल निशानेबाजों के हाई परफॉर्मेंस कोच के रूप में कार्यरत थे और उनकी देखरेख में भारतीय टीम ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया था।

नई दिल्ली में नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की बैठक के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

बालसंगोपन योजना की पूरी प्रक्रिया

अनाथ और बेसहारा बच्चों को मिलेंगे 2500 महीना....

नई दिल्ली। महाराष्ट्र सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संकटग्रस्त, अनाथ और बेसहारा बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने और उनके विकास के लिए 'क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले बालसंगोपन योजना' चलाई जा रही है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य इन बच्चों को सुरक्षा, आश्रय और एक बेहतर भविष्य देना है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य 0 से 18 साल की उम्र के अनाथ, बेसहारा, बिना सहारे वाले और बेघर बच्चों को जिन्हें सुरक्षा और आश्रय की जरूरत है उन्हें संस्थागत देखभाल के बजाय वैकल्पिक पारिवारिक देखभाल देना है, ताकि उनका पालन-पोषण और विकास किसी संस्था के बजाय पारिवारिक माहौल में हो सके। आमतौर पर बेसहारा बच्चों को संस्थागत देखभाल (अनाथालयों) में भेज दिया जाता है, जहां उन्हें पारिवारिक स्नेह की कमी महसूस हो सकती है।

ममता की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही

ममता बनर्जी की बढ़ीं मुश्किलें दर्ज हुई एक नई एफआईआर...

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। बंगाल में करारी हार के बाद पार्टी में बगावत की खबरों के कारण पहले से ही पार्टी का अस्तित्व खतरें में प्रतीत हो रहा है। हाल ही में पूर्व सीएम के खिलाफ सिलीगुड़ी साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन ने एक एफआईआर दर्ज की थी। ऐसे में ममता बनर्जी के खिलाफएक और एफआईआर दर्ज हुई है जिससे ममता की मुश्किलें बढ़ गई है। जानकारी के मुताबिक ममता दीदी के खिलाफकोलकाता के हेयर स्ट्रीट थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। यह मामला पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले कोलकाता में धरने के मंच से जुड़ा है। यहां ममता बनर्जी पर भाषण में सांप्रदायिक टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया है। जिसके तहत हेयर स्ट्रीट पुलिस स्टेशन में ब्रह्स की धाराओं 196 (1), 351 (2) और 352 के तहत केस दर्ज किया गया है। बता दें कि ममता बनर्जी के खिलाफयह एफआईआर ऐसे समय पक दर्ज हुई जब उनके भतीजे बंगाल अभिषेक बनर्जी पर चुनावों में हिंसा के साथ-साथ विधायकों के फर्जी दस्तखत करने के आरोप लगाए गए है। अभिषेक बनर्जी इस समय इस मामलें को लेकर सीआईडी जांच का सामना कर रहे हैं। गौरतलब है कि ममता बनर्जी ने विधानसभा चुनावों से ठीक पहले कोलकाता में एक बड़ा धरना प्रदर्शन किया था। यह धरना प्रदर्शन एसआईआर के खिलाफकिया गया था। ममता बनर्जी पर आरोप लगाया गया है कि उन्होंने उस वक्त सांप्रदायिक टिप्पणी की थी।

टीएमसी को एक और झटका, राज्यसभा सांसद प्रकाश चिक बराइक ने दिया इस्तीफा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस के भीतर असंतोष और हलचल बढ़ती जा रही है। पार्टी के राज्यसभा सांसद प्रकाश चिक बराइक ने आज राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। बराइक से पहले टीएमसी के दो और कद्दावर राज्यसभा सांसद सुखेंदु शेखर रॉय और सुष्मिता देव भी संसद के उच्च सदन से इस्तीफा दे चुके हैं। इन तीन बड़े इस्तीफों के बाद राज्यसभा में टीएमसी की ताकत काफी कमजोर हो गई है। बराइक के इस्तीफे के बाद अब टीएमसी के सांसदों की संख्या केवल 10 रह गई है। राजनीतिक गलियारों में चल रही चर्चाओं के अनुसार, टीएमसी के भीतर असंतोष यहीं थमने वाला नहीं है।

अमेरिकी हमलों में 3 भारतीयों की मौत

मजाल है मोदी एक शब्द बोल जाएं-राहुल गांधी...

नई दिल्ली/ एजेंसी

ओमान तट के खाड़ी क्षेत्र में भारतीय क्रू वाले 3 कमर्शियल जहाजों पर अमेरिकन नेवी के हमले से पूरे देश में आक्रोश है। अब इसको लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस पार्टी ने इससे पहले भी गुरुवार को ओमान तट के पास एक कमर्शियल जहाज पर हुए हमले में 3 भारतीयों की मौत पर शोक व्यक्त किया था। कांग्रेस का कहना है कि इस हत्या पर सरकार अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भारतीय क्रू वाले 3 कमर्शियल जहाजों पर अमेरिकी नौसेना के हमले की कड़ी निंदा की। साथ ही उन्होंने मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा, 'अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में 3 दिन में 3 जहाजों पर अमेरिकी हमलों में 3 भारतीयों की मौत हो गई। राहुल गांधी ने आगे कहा कि जब भी कोई विदेशी ताकत किसी भारतीय की हत्या करे, तो प्रधानमंत्री को बोलना पड़ता है। उन्होंने कहा कि मजाल है जो ये एक शब्द बोल जाएं। अगले हफ्ते ल्र7 में, हमारे नाविकों की हत्या के महज चंद दिनों बाद ही पीएम मोदी जी मुस्कुराएंगे, गले मिलेंगे और समझौते करेंगे। लेकिन, उन 3 भारतीयों के लिए उनके पास एक शब्द भी नहीं होगा।

छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए बिछा रेड कारपेट, 9,580 करोड़ रुपये के मिले प्रस्ताव

इन्वेस्टर कनेक्ट में हैदराबाद के निवेशकों को मुख्यमंत्री साय का न्योता

■ आईटी, टेक्सटाइल, डेटा सेंटर, फार्मा के क्षेत्र में खुली 7,800 रोजगार की राह

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ ने निवेश आकर्षित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। हैदराबाद में आयोजित 'छत्तीसगढ़ इन्वेस्टर कनेक्ट' कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों की सात प्रमुख कंपनियों ने 9,580 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव दिए हैं, जिनसे 7,800 से अधिक रोजगार सृजित होने की संभावना है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने देश के प्रमुख उद्योगपतियों और निवेशकों को छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए कहा विकसित भारत के ग्रोथ इंजन के रूप में छत्तीसगढ़ तेजी से उभर रहा है और राज्य में निवेशकों के लिए 'रेड कारपेट' बिछा हुआ है। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन सहित दक्षिण भारत के कई बड़े उद्योगपति, निवेशक और कारोबारी प्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि नई औद्योगिक नीति लागू होने के बाद दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु के साथ-साथ जापान और दक्षिण कोरिया में आयोजित इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रमों के माध्यम से राज्य को 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। राज्य सरकार इन प्रस्तावों को धरातल पर उतारने के लिए तेजी से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री श्री

साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ आज निवेश के लिए देश के सबसे बेहतर राज्यों में से एक बनकर उभर रहा है। राज्य में उद्योगों के लिए आसान प्रक्रियाएं, सिंगल विंडो व्यवस्था, बेहतर बुनियादी सुविधाएं और उद्योग अनुकूल नीतियां उपलब्ध हैं। उन्होंने निवेशकों को छत्तीसगढ़ में उद्योग स्थापित करने का आमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हैदराबाद ने आईटी, फार्मा, बायोटेक्नोलॉजी और एयरोस्पेस जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। छत्तीसगढ़ भी इन क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है और दोनों राज्यों के उद्योगपति एवं उद्यमी मिलकर नए अवसरों का लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने कहा कि मध्य भारत में स्थित छत्तीसगढ़ देश का सबसे उपयुक्त लॉजिस्टिक हब बनने की क्षमता रखता है। छत्तीसगढ़ सात राज्यों से घिरा हुआ है और 60 करोड़ से अधिक उपभोक्ताओं तक सीधी पहुंच प्रदान करता है। रेलवे नेटवर्क, भारतमाला परियोजना, एयर कार्गो सुविधाओं तथा खनिज संसाधनों की उपलब्धता उद्योगों के लिए इसे अत्यंत अनुकूल बनाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश में ग्रीन स्टील को बढ़ावा देने वाले अग्रणी राज्यों में शामिल है। ऊर्जा क्षेत्र में राज्य को 3.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिससे प्रदेश देश के प्रमुख पावर हब के रूप में उभर रहा है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सात प्रमुख कंपनियों को छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए 'इन्विटेशन टू इन्वेस्ट' (ऑफर लेटर) प्रदान किए। इनमें डेटा सेंटर, सीमेंट, सेमीकंडक्टर एवं जीपीयू इंफ्रास्ट्रक्चर, सौर ऊर्जा उपकरण निर्माण, वस्त्र, फार्मास्यूटिकल और डेयरी प्रसंस्करण क्षेत्रों की अग्रणी कंपनियां शामिल हैं। सबसे बड़ा निवेश प्रस्ताव हाइपरनेक्स्ट डाटा सेंटर लिमिटेड की ओर से प्राप्त हुआ, जिसने छत्तीसगढ़ में भारत का पहला समर्पित डिजास्टर रिकवरी डेटा सेंटर कैंपस स्थापित करने के लिए 4,200 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव दिया। इस परियोजना से राज्य में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूती मिलेगी और छत्तीसगढ़ डेटा सेंटर क्षेत्र का महत्वपूर्ण केंद्र बन सकेगा। इस परियोजना से लगभग 250 रोजगार सृजित होंगे।

CMYK

तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ, कलेक्टर बलौदाबाजार भाटापारा के द्वारा प्रांतीय निकाय के आव्हान पर महंगाई भत्ता सहित 6 सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री व मुख्य सचिव, छत्तीसगढ़ शासन के नाम कलेक्टर बलौदाबाजार भाटापारा को भोजन अवकाश के दौरान ज्ञापन सौंपा गया। छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ, रायपुर के निर्णय एवं समस्त सहयोगी संघों की सहमति के अनुसार, 'मोदी की गारंटी' के तहत कर्मचारियों के लिए की गई घोषणाओं को लागू कराने हेतु भोजन अवकाश के दौरा 6 बिंदुओं पर ध्यानाकर्षण ज्ञापन प्रस्तुत किया। राज्य के लगभग 4.50 लाख अधिकारी-कर्मचारी 01 जनवरी 2026 से केंद्र द्वारा स्वीकृत 2% डीए से वंचित हैं। केंद्रीय कर्मचारियों की तरह छत्तीसगढ़ के कर्मचारियों एवं पेंशनरों को भी निर्धारित तिथि से महंगाई भत्ता/राहत दी जाए तथा डीए एरियर की राशि जीपीएफ खाते में समायोजित की जाए। विधानसभा बजट सत्र में वित्त मंत्री द्वारा घोषित कैशलेस मेडिकल सुविधा के नियम तत्काल जारी किए जाएं। केंद्र एवं मध्य प्रदेश की भांति सेवानिवृत्ति पर 240 दिन की जगह 300 दिन का अवकाश नगदीकरण आदेश जारी किया जाए। सविदा, दैनिक वेतन भोगी एवं अनियमित कर्मचारियों को रिक्त पदों पर नियमित कर मध्य प्रदेश की भांति सेवा सुनिश्चित की जाए। एलबी कैडर के सभी शिक्षकों को प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा गणना कर लाभ दिया जाए। अनुकंपा नियुक्ति पर 10% की सीलिंग समाप्त कर सभी रिक्त पदों पर अनुकंपा नियुक्ति दी जाए। ज्ञापन के दौरान छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ बलौदाबाजार भाटापारा जिलाध्यक्ष मनोज कुमार दुबे छत्तीसगढ़ अधिकारी/कर्मचारी पेंशनर एसोसिएशन जिलाध्यक्ष पी के हिरवानी कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन, के जिला संयोजक डाक्टर एल.एस. ध्रुव स्वास्थ्य संयोजक संघ के अध्यक्ष विजय साहू, डिगेंद्र वर्मा, रिपू सुदन साहू, सत्यनारायण साहू अनियमित कर्मचारी संघ कोमल पडवार, पंकज वैष्णव, मुकेश वर्मा, कर्मचारीचारी कांग्रेस जिलाअध्यक्ष संतोष साहू, कृष्णा घृतलहरे, मनोज पैकरा, गीता साहू, संतोष सतनामी, नरेन्द्र देवांगन, यशवंत वर्मा, प्रेमप्रकाश केशरवानी, अगनू राम ध्रुव, राजेश नेताम, अमृतलाल मनहर उमेश धीवर, राजेश अग्रवाल, चोवाराम ध्रुव, जय कुमार यादव, अहिल्या साहू, डिम्पल चंद्राकर, निरा महंत, कृष्णा कुमारी यादव, रम्भा यादव, देवकी देवदास, नीलावती ध्रुव, दुर्गेश यादव, फिरोज खान, सोनचंद साहू, एवं अलग अलग सहयोगी संगठनो पदाधिकारी एवं सदस्यसाथीगण उपस्थित रहे।

जिला पंचायत सीईओ चंद्राकर की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना, लक्ष्य अनुरूप प्रगति एवं आगामी रणनीतियों पर चर्चा के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर की अध्यक्षता में जिला पंचायत गरियाबंद के सभाकक्ष में एक दिवसीय उन्मुखीकरण सह समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिले के समस्त विकासखण्ड परियोजना प्रबंधक, आईएफसी एंकर, क्षेत्रीय समन्वयक, पीआरपी, वरिष्ठ सीआरपी, एफ्मीओ एवं एफ्मीसी-सीईओ सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ चंद्राकर ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के निर्धारित लक्ष्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी विकासखण्डों को योजनाबद्ध तरीके से कार्य करते हुए निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आईएफसी की प्रगति एवं नवीन प्रस्ताव, लखपति दीदी एवं लखपति ग्राम की प्रगति, 10 के एफपीओ एवं एफ्मीसी की स्थिति, प्रोड्यूसर ग्रुप का गठन एवं संचालन, एसवीईपी एवं ओएसएफ गतिविधियां, फार्म एवं नॉन-फार्म आजीविका, एसआईएसडी लक्ष्य, समूह सैचुरेशन, सीएलएफ ट्रांजेक्शन एंट्री, मॉडल सीएलएफ एमपीआर प्रविष्टि, बैंक लिंकेज, एंटरप्राइज फाइनेंस तथा एनपीए की स्थिति सहित विभिन्न विषयों की समीक्षा की गई। चंद्राकर ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से मिशन के उद्देश्यों के अनुरूप कार्य करते हुए आजीविका संवर्धन, महिला सशक्तिकरण एवं ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए समन्वित प्रयास करने के निर्देश दिए।

उपार्जन केंद्र ढोर्रा और सीनापली में धान के रख-रखाव में बड़ी अनियमितता

गरियाबंद। जिले के धान उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी कार्य के दौरान बड़ी अनियमितता सामने आई है। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत धान उपार्जन कार्यों की समीक्षा एवं जांच में उपार्जन केंद्र ढोर्रा और सीनापली में भारी मात्रा में धान की कमी (शॉर्टेज) पाई गई है। जांच के दौरान पाया गया कि दोनों उपार्जन केंद्रों में निर्धारित मात्रा के अनुसार धान उपलब्ध नहीं है। जिससे समिति को आर्थिक क्षति हुई है। भौतिक सत्यापन के अनुसार उपार्जन केंद्र ढोर्रा में कुल 83 हजार 449.60 क्विंटल धान की खरीदी दर्ज की गई थी। जबकि जांच के दौरान 2 हजार 113.24 क्विंटल धान कम पाया गया। इससे समिति को 65 लाख 51 हजार 44 रुपये की वित्तीय हानि हुई है। इसी प्रकार सीनापली उपार्जन केंद्र में कुल 87 हजार 26 क्विंटल धान खरीदी दर्ज की गई है। जबकि 2 हजार 151.96 क्विंटल धान की कमी पाई गई। जिससे समिति को 66 लाख 71 हजार 76 रुपये का नुकसान हुआ है। उल्लेखनीय है कि नियमानुसार धान उपार्जन में सुखत (ड्रायेज) मान्य नहीं है। इसके बावजूद दोनों केंद्रों में इतनी बड़ी मात्रा में धान की कमी पाया जाना गंभीर अनियमितता की ओर संकेत करता है। कलेक्टर श्री बीएस उइके के निर्देश पर सहकारिता विभाग के सहायक आयुक्त सुश्री महेश्वरी तिवारी द्वारा मामले की गंभीरता को देखते हुए धान की कमी के लिए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध अभियोजन सहित अन्य वैधानिक कार्रवाई किए जाने के लिए शाखा प्रबंधक गोहरापदर को निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन ने कहा है कि धान उपार्जन कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनियमितता या वित्तीय क्षति के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा।

बीज उत्पादन प्रक्रिया शीघ्र होगी प्रारम्भ किसानो को मिलेगा अधिक आय के साधन

बलौदाबाजार। जिले के किसानों को खाद -बीज की पर्याप्त उपलब्धता के साथ ही उनके आय बढ़ाने के लिये जिला प्रशासन द्वारा पहल की जा रही है। इसी कड़ी में जिले में बीज उत्पादन की कार्यवाही शीघ्र प्रारम्भ की जाएगी। छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड छेरकापुर एवं कृषि विभाग के समन्वय से किसानों को बीज उत्पादन कार्यक्रम पंजीयन की कार्यवाही की जएगी । बीज उत्पादन हेतु आवश्यक दस्तावेज आधार कार्ड की छायाप्रति, बैंक पासबुक की छायाप्रति तथा बी-1 की छायाप्रति के साथ निर्धारित शुल्क जमा कर किसान पंजीयन करा सकते हैं। बीज उत्पादन कार्यक्रम हेतु पंजीयन 930 रूपये प्रति हेक्टेयर निर्धारित है। अपने खेत की फसल का बीज प्रमाणीकरण हेतु बीज प्रबंधक, छ.ग. राज्य बीज एवं निगम छेरकापुर पलारी कार्यालय कृषि विकास अधिकारी से सम्पर्क कर निर्धारित समय सीमा में पंजीयन अवश्य करा सकते हैं। बीज़ परीक्षण में मानक प्राप्ति उपरान्त कृषकों को 3850 रूपये प्रति क्विंटल की दर से राशि भुगतान किया जाएगा जो कि सामान्य दर 3100 से 750 रूपये अधिक है। जिससे किसानों को अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं। उप संचालक कृषि दीपक नायक ने बताया कि खरीफ वर्ष 2026 में जिले में बीज उत्पादन कार्यक्रम हेतु 1250 हेक्टेयर का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।आगामी वर्ष 2027 हेतु बीज मांग को दृष्टिगत रखते हुए अधिक से अधिक किसानों को बीज उत्पादन हेतु प्रोत्साहित किया जाएगा। वर्ष 2025 में 416 कृषकों द्वारा 746.350 हेक्टेयर में बीज उत्पादन कार्यक्रम लिया गया था। किसानों को खरीफ मौसम वर्ष 2026 हेतु उच्च गुणवत्ता वाले आधार एवं प्रमाणित बीज समय पर उपलब्ध कराने की व्यापक व्यवस्था की गई है। कृषकों को धान, लघु धान्य (कोदो-कुटकी), अरहर, उड़द, मूंग, तिल, सोयाबीन, सनई ढेंचा एवं अन्य प्रमुख खरीफ फसलों के आधार एवं प्रमाणित बीजों का वितरण सहकारी समितियों, कृषि विभाग के कार्यालयों, बीज प्रक्रिया केन्द्र, छेरकापुर (पलारी) के माध्यम से किया जा रहा है। जिले की कुल बीज मांग 32994 क्विंटल के विरूद्ध 19951.40 क्विंटल बीजों का भण्डारण किया जा चुका है, जिसके विरूद्ध कुल 15073.50 क्विंटल बीजों का कृषकों को वितरण किया चुका है।

भीषण गर्मी में मा कामाख्या ट्रस्ट बना सहारा लोगों को बांट रहा लस्सी छाछ और नाश्ता, राहगीरों को मिल रही राहत

धमतरी। भीषण गर्मी और तपती धूप के बीच धमतरी में मानव सेवा की एक सराहनीय मिसाल देखने को मिल रही है। दुलारी नगर गली नंबर 3 स्थित मा कामाख्या ट्रस्ट द्वारा पिछले एक माह से लोगों के लिए निशुल्क लस्सी छाछ शरबत भेल चना और समोसे का वितरण किया जा रहा है। गर्मी से राहत दिलाने के उद्देश्य से शुरू की गई यह पहल लोगों के बीच काफी लोकप्रिय हो रही है। ट्रस्ट के सदस्य प्रतिदिन शाम 6 बजे से सेवा कार्य शुरू करते हैं जो सामग्री वितरण समाप्त होने तक जारी रहता है। ट्रस्ट का कहना है कि पूरे गर्मी सीजन में यह सेवा निरंतर जारी रहेगी भीषण गर्मी और लू के बीच राहगीरों मजदूरों और जरूरतमंद लोगों को ठंडे पेय और नाश्ता उपलब्ध कराना निश्चित रूप से एक प्रशंसनीय कार्य है।

इस सेवा का लाभ लेने वाले लोग ट्रस्ट की जमकर सराहना कर रहे हैं और इसे समाज के लिए प्रेरणादायक पहल बता रहे है। मां कामाख्या ट्रस्ट द्वारा प्रतिदिन सैकड़ों लोगों को लस्सी छाछ शरबत भेल चना और समोसे का वितरण किया जा रहा है। गर्मी से परेशान लोगों को इससे काफी राहत मिल रही है। ट्रस्ट के सदस्यों का कहना है कि मानव सेवा ही उनका मुख्य उद्देश्य है और आगे भी इस तरह के सामाजिक कार्य जारी रहेंगे।

भीषण गर्मी के इस दौर में मा कामाख्या ट्रस्ट की यह पहल न केवल लोगों को राहत पहुंचा रही है, बल्कि समाज में सेवा और सहयोग का संदेश भी दे रही है। स्थानीय लोगों ने ट्रस्ट के इस प्रयास की प्रशंसा करते हुए ऐसे कार्यों को आगे भी जारी रखने की मांग की है।

पेंशनर्स एसोसिएशन की हुई मासिक बैठक

बलौदाबाजार। पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील इकाई बलौदाबाजार की मासिक बैठक अध्यक्ष एस डी पड़वार के नेतृत्व मे,प्रदेश महामंत्री डी पी जैन, जिलाध्यक्ष एस एम पाण्ये के निर्देशन मे व वरिष्ठ सदस्य पूर्व प्राचार्य जय नारायण केसरवानी की अध्यक्षता मे बुधवार 10 जून को आदर्श प्राथमिक शाला के सभागार मे संपन्न हुई. कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन व हनुमान चालीसा के सामूहिक पाठ से हुआ .विगत दिनों प्रदेश मुख्यालय रायपुर मे आयोजित प्रांतीय बैठक मे हुई चर्चा व लिए गए निर्णयों से संघ के सदस्यों को अवगत कराते हुए संघ की आगामी योजनाओं पर चर्चा की गई. इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित छ ग ग्रामीण बैंक शाखा बलौदाबाजार के प्रबंधक राहुल कुमार तथा बैंक के बलौदाबाजारद्य स्थित क्षेत्रीय कार्यालय प्रमुख श्री गुप्ता ने पेंशनरों के हित मे बैंक की योजनाओं को विस्तार से बताते हुए उनकी बैंक शाखा मे पेंशन खाता खोलने प्रेरित किया व इसके तुलनात्मक लाभ बताये. अपने उदबोधन मे अध्यक्षता कर रहे डॉ जयनारायण केशरवानी ने कहा कि नियमित बैठकों का उद्देश्य अपने साथियों की कुशल क्षेम जानना होता है. आगामी कार्यक्रमों की रुपरेखा तय होती है. किसी भी पेंशनर की समस्या का समाधान सम्मिलित रूप से हल किया जाता है. उन्होंने सभी सदस्यों के अच्छे स्वास्थ्य व दीर्घायु होने की कामना की तथा सदस्यों से बैठकों मे अधिक से अधिक संख्या मे उपस्थित रहने का आह्वान किया. प्रांतीय महामंत्री डी पी जैन ने सदस्यों द्वारा संघ के लिए दिए गए योगदान को रेखांकित करते हुए सभी से अपनी क्षमता, स्वेच्छा व श्रद्धा से सहयोग कर आगामी जिला सम्मेलन को यादगार बनाने के लिए आह्वान किया. एस डी पड़वार ने सभी सदस्यों से प्राप्त सहयोग राशि का विवरण प्रस्तुत किया जो उन्हें वार्ड प्रभारियों से प्राप्त हुआ है.बैठक मे डॉ राजेश मिश्रा, सत्यप्रकाश पाण्डेय, डी आर चतुर्वेदी, प्रीत राम धीवर, राजेंद्र मिश्रा, के के वर्मा, यशवंत दुबे, जी पी वर्मा, काशीराम साहू, नेहरू लाल यादव व दौआराम वर्मा उपस्थित थे. वरिष्ठ सदस्य एस पी पाण्डेय ने सभी के प्रति आभार प्रदर्शित किया।

मरादेव में अतिक्रमण पर चला बुलडोजर दो एकड़ जमीन हुई कब्जामुक्त

धमतरी। जिले के मरादेव क्षेत्र में प्रशासन ने अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है करीब दो एकड़ सरकारी जमीन पर किए गए कब्जे को हटाने के लिए बुलडोजर चलाया गया प्रशासन का कहना है कि नोटिस और अल्टीमेटम देने के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया गया जिसके बाद यह कार्रवाई की गई। दरअसल धमतरी जिले के मरादेव में प्रशासन की टीम ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करते हुए करीब दो एकड़ भूमि को कब्जामुक्त कराया। बताया जा रहा है कि पांच परिवारों द्वारा जमीन पर दीवार खड़ी कर अतिक्रमण किया गया था।

शिकायत मिलने के बाद तहसीलदार के नेतृत्व में राजस्व अमला मौके पर पहुंचा और बुलडोजर की मदद से अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। प्रशासन के अनुसार नारद ध्रुव नामक व्यक्ति द्वारा बड़े छोटे जंगल की जमीन पर कब्जा कर दीवार बनाई गई थी।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि सरकारी जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

मिलावटी शराब के विरुद्ध प्रशासन बड़ी कार्यवाही, 36 हजार रुपए का अवैध शराब जब्त

बलौदाबाजार। जिले में अवैध शराब के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में बुधवार को आबकारी विभाग द्वारा 36 हजार रुपए के अवैध शराब जब्त किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार वृत्त पलारी में आबकारी विभाग की संयुक्त दल द्वारा आरोपी (1) मुरली टंडन पिता चंद्रहास (2) नेतराम डहरिया पिता तोरण एवं एक अन्य के रिहायशी मकान से 360 पाव कुल 64.8 बल्क लीटर देशी मदिरा मसाला, खाली शीशी 52 नग, ढक्कन 52 नग एवं एक प्लास्टिक जरीकेन में 15 लीटर रंगीन पानी जप्त किया गया। देशी मदिरा मसाला का बाजार मूल्य 36,000 होना पाया गया। आरोपी (1) मुरली टंडन पिता चंद्रहास (2) नेतराम डहरिया पिता तोरण एवं एक अन्य सा. इंदोरी थाना पिपरीया जिला कबीरधाम के विरूद्ध छत्तीसगढ आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (2), 36, 38 (क) 59 (क) का प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया गया। कार्यवाही में सहायक जिला आबकारी अधिकारी, जलेश कुमार सिंह, आबकारी उपनिरीक्षक मनराखन नेताम, पी. माधव राव, विनोद बांधे आबकारी आरक्षक कोमल निषाद, अभिषेक राठौर, नगर सैनिक दुर्गेश्वरी कुर्रे की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कथित गौमांस बरामदगी पर बवाल हिंदू संगठनों ने खोला मोर्चा

रिहायशी इलाके में बोरियों में मांस मिलने से मचा हड़कम्प

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी शहर के सिटी कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत साल्हेवार पारा के गाढ़ा पारा में उस समय हड़कंप मच गया जब इलाके में बड़ी मात्रा में कथित गौमांस मिलने की सूचना सामने आई घटना के बाद हिंदू संगठनों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है, बताया जा रहा है कि हिंदू संगठन के लोगो को पिछले करीब दो माह से इलाके में कथित रूप से बीफ की बिक्री और उपयोग की शिकायतें मिल रही थीं शिकायतों के आधार पर स्थानीय लोगों और हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने मौके पर पहुंचकर जांच की जहां लगभग 50 से 60 किलो संदिग्ध मांस बरामद होने का दावा किया गया इसके साथ ही तालाब किनारे पशु की खाल और अवशेष भी मिले जिससे क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया..घटना की जानकारी मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी। हंगामे की स्थिति को देखते हुए पुलिस ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है इस बीच आरोप लगाया जा रहा है कि वार्ड का एक व्यक्ति इस अवैध गतिविधि में शामिल था हालांकि पुलिस की जांच अभी जारी है। हिंदू संगठनों ने मामले में शामिल आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि जब तक दोषियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई नहीं होती तब तक उनका विरोध जारी रहेगा। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है और जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। अब देखना होगा कि जांच में क्या तथ्य सामने आते हैं और प्रशासन इस मामले में आगे क्या कार्रवाई करता है।

बरारी में शासकीय जमीन पर अतिक्रमण शिकायत के बाद निर्माण कार्य पर रोक

धमतरी। धमतरी जिले के ग्राम बरारी में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण और निर्माण कार्य का मामला सामने आया है शिकायत के बाद कलेक्टर ने तत्काल प्रभाव से निर्माण कार्य रुकवा दिया है आरोप है कि करीब 70 डिसमिल सरकारी जमीन पर पेड़ों की कटाई कर रिजॉर्ट निर्माण की तैयारी की जा रही थी वहीं संबंधित व्यक्ति का कहना है कि वह पिछले 40 वर्षों से इस जमीन पर काबिज है और डुबान प्रभावित होने के कारण यहां रह रहा है। फिलहाल प्रशासन ने निर्माण कार्य को तत्काल प्रभाव से रोक दिया है। दरअसल ग्राम बरारी में सरकारी जमीन पर निर्माण कार्य और पेड़ों की कटाई की शिकायत मिलने के बाद प्रशासन हरकत में आया भूमि पर अतिक्रमण कर निर्माण कार्य किया जा रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर के निर्देश पर काम तत्काल रोक दिया गया। वहीं आरोपों के घेरे में आए बरारी निवासी खूबलाल ध्रुव ने कहा कि वह पिछले करीब 40 वर्षों से इस भूमि पर काबिज है और डुबान प्रभावित होने के कारण यहां निवास कर रहा है। उसका कहना है कि कुछ लोगों की शिकायत के चलते यह मामला सामने आया है और प्रशासन जो भी वैधानिक कार्रवाई करेगा वह स्वीकार्य होगी। हालांकि इस पूरे मामले में सवाल यह उठ रहा है कि यदि जमीन शासकीय है तो उस पर निर्माण कार्य किस आधार पर किया जा रहा था और पेड़ों की कटाई के लिए अनुमति ली गई थी या नहीं फिलहाल निर्माण कार्य रोक दिया गया है और प्रशासन जांच में जुटा हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

10 लाख की लूट का खुलासा 2 आरोपी गिरफ्तार, 7 लाख रुपये बरामद

रायपुर। राजधानी रायपुर में सुपरवाइजर से दिनदहाड़े 10 लाख रुपये से अधिक की लूट के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। डीडी नगर थाना क्षेत्र में हुई इस सनसनीखेज वारदात का खुलासा करते हुए पुलिस ने लूट में शामिल गिरोह के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से 7 लाख रुपये नकद और घटना में प्रयुक्त वाहन भी बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, प्रार्थी श्रवण साहू, जो एक निजी कंपनी में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत है, 6 जून 2026 को कंपनी के निर्देश पर अग्रसेन चौक स्थित बालाजी रोलिंग मिल के कार्यालय से उधारी की रकम लेने गया था। वहां से 10 लाख 26 हजार 500 रुपये नकद लेकर वह डंगनिया बाजार स्थित ग्राहक के पास पहुंचा। इसी दौरान शाम करीब 7 बजे बाइक सवार तीन नकाबपोश बदमाशों ने उसे धक्का देकर नकदी से भरा बैग लूट लिया और फरार हो गए। घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर विशेष टीमों का गठन किया। जांच के दौरान घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों के हजारों सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। तकनीकी विश्लेषण और कंपनी कर्मचारियों से पूछताछ के आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंचने में सफल रही। पूछताछ में मुख्य आरोपी गौरव तिवारी ने खुलासा किया कि वह पहले बालाजी कंपनी में पेमेंट लेन-देन के लिए आता-जाता था। इसी दौरान उसे पता चला कि कार्यालय से निकलने वाले लोगों के पास अक्सर लाखों रुपये नकद होते हैं। उसने यह जानकारी अपने साथियों के साथ साझा की और करीब डेढ़ महीने तक रेकी कर लूट की योजना बनाई। आरोपियों ने किसी विशेष व्यक्ति को निशाना नहीं बनाया था। उनकी योजना थी कि जो भी व्यक्ति कार्यालय से नकदी से भरा बैग लेकर निकलेगा, उसे लूट लिया जाएगा। घटना वाले दिन उन्होंने दो अलग-अलग दोपहिया वाहनों से श्रवण साहू का पीछा किया और मौका मिलते ही वारदात को अंजाम दे दिया। पुलिस ने मुख्य आरोपी गौरव तिवारी की निशानदेही पर आशीष पाण्डेय उर्फ गोलू को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया है। अब तक 7 लाख रुपये नकद और घटना में प्रयुक्त एक्टिवा वाहन जब्त किया जा चुका है।

जिंदा व्यक्ति को मृत घोषित करने का मामला : मित्तल हॉस्पिटल की जांच के लिए 4 सदस्यीय कमेटी गठित

रायपुर। राजधानी रायपुर के लोधीपारा चौक स्थित मित्तल हॉस्पिटल में एक व्यक्ति को कथित तौर पर मृत घोषित किए जाने के बाद उसके शरीर में हरकत होने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचएमओ) ने जांच के आदेश देते हुए चार सदस्यीय जांच समिति गठित की है। सीएमएचओ द्वारा गठित जांच टीम में डॉ. संजीव वोहरा, डॉ. विनाश चतुर्वेदी, डॉ. श्वेता सोनवानी और सनत कुमार पटेल को शामिल किया गया है। समिति को पूरे मामले की जांच कर तीन दिनों के भीतर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। जानकारी के अनुसार, पुरानी भिलाई के देवबलोदा निवासी रामअवतार रात्रे 3 जून को घर के बाथरूम में गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें उपचार के लिए रायपुर के मित्तल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उनकी पसली टूटने और हालत गंभीर होने की जानकारी दी। इलाज के दौरान अस्पताल प्रबंधन ने उन्हें मृत घोषित कर शव परिजनों को सौंप दिया। परिजन शव को अंतिम संस्कार के लिए एंबुलेंस से ले जा रहे थे, तभी रास्ते में युवक के हाथ-पैर हिलने लगे। यह देखकर परिजन हैरान रह गए। उन्होंने तत्काल युवक को पानी पिलाया और बेहतर उपचार के लिए मेकाहारा अस्पताल लेकर पहुंचे। हालांकि वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना का वीडियो परिजनों ने अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मृतक के परिजनों ने मित्तल हॉस्पिटल पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए युवक की मौत के लिए अस्पताल को जिम्मेदार ठहराया है।

छत्तीसगढ़ में बढ़ी उमस, अगले 24 घंटे में बारिश की संभावना

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून की एंट्री से पहले उमस बढ़ गई है। मौसम विभाग की माने तो प्रदेश में जल्द ही मानसून की एंट्री हो सकती है, हालांकि इसके लिए कुछ समय इंतजार करना होगा। अगले 24 घंटे में आंधी-तूफान और गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना है। पिछले 24 घंटों में उत्तर छत्तीसगढ़ में अधिकतम तापमान 2 डिग्री तक बढ़ा है। सबसे ज्यादा 43.5 डिग्री राजनांदगांव में दर्ज किया गया। वहीं सबसे कम न्यूनतम तापमान 23.4 डिग्री अंबिकापुर में रिकॉर्ड किया गया। रायपुर के अधिकांश इलाकों में आज आंशिक बादल छाए रहेंगे, उमस भी जारी रहेगी। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, दक्षिण-पश्चिम मानसून फिलहाल महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, झारखंड और बिहार की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी के साथ छत्तीसगढ़ में भी मानसून के प्रवेश के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन गई हैं। विभाग ने अगले 3 से 4 दिनों में प्रदेश के कुछ हिस्सों में मानसून पहुंचने की संभावना जताई है। अब प्रदेश में मानूसन 12-13 जून तक बस्तर संभाग में दस्तक दे सकता है। ऐसे में रायपुर में मानसून पहुंचने में देरी होगी। सिस्टम अच्छा रहा तो 15 जून या इसके बाद पहुंच सकता है। मौसम विभाग के अनुसार 11 जून से पूरे प्रदेश में व्यापक वर्षा होगी। बादलों की जोरदार गर्जना से गाज भी गिर सकती है। अंधड़ भी चलने की संभावना है। अगले 24 घंटे के लिए मौसम विभाग ने प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में गरज-चमक के साथ 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की चेतावनी जारी की है। वहीं अगले दो दिनों में हवा की गति 50 से 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश भी हो सकती है।

जल जीवन मिशन से बदली पुटुकेला की तस्वीर, अब हर घर तक पहुंच रहा शुद्ध पेयजल

रायपुर। कभी पेयजल संकट से जूझने वाला कुनकुरी विकासखंड का वनांचल ग्राम पुटुकेला आज जल जीवन मिशन की बदौलत विकास की नई मिसाल बन गया है। जिला मुख्यालय से लगभग 60-70 किलोमीटर दूर घने जंगलों के बीच बसे इस गांव में अब हर घर तक नल के माध्यम से नियमित रूप से शुद्ध और सुरक्षित पेयजल पहुंच रहा है। जल जीवन मिशन के तहत ग्राम में 4 उच्च स्तरीय जलागार स्थापित किए गए हैं। इनके माध्यम से 134 फंक्शनल हाउसहोल्ड टैप कनेक्शन (एफएचटीसी) प्रदान कर सभी परिवारों को पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। पाइपलाइन नेटवर्क के जरिए घर-घर नल कनेक्शन पहुंचने से ग्रामीणों की वर्षों पुरानी पानी की समस्या समाप्त हो गई है। मिशन के क्रियान्वयन से पहले ग्रामीणों को पेयजल के लिए कुओं और अन्य पारंपरिक जल स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ता था।

भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों के मूल्यांकन पर संसदीय स्थायी समिति की रायपुर में बैठक आयोजित

कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में व्यापार अवसरों पर व्यापक चर्चा...

रायपुर/ संवाददाता

राज्यसभा सांसद एवं वाणिज्य संबंधी संसदीय स्थायी समिति की अध्यक्ष सुश्री डोला सेन की अध्यक्षता में आज रायपुर के एक निजी होटल में समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक समिति के 10 से 12 जून 2026 तक अहमदाबाद, रायपुर एवं भुवनेश्वर के अध्ययन दौरा कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित की जा रही है। बैठक में *भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों का मूल्यांकन* विषय पर विस्तृत चर्चा की गई, जिसमें व्यापार, निवेश, निर्यात-आयात तथा दोनों देशों के मध्य आर्थिक सहयोग से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की जा रही है। अध्ययन दौरे का उद्देश्य संबंधित हितधारकों एवं अधिकारियों से प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त कर विषय पर एक व्यापक एवं तथ्यपरक रिपोर्ट तैयार करना है। बैठक के दौरान कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादकों, प्रसंस्करणकर्ताओं एवं निर्यातकों तथा उनके संबंधित उद्योग संघों एवं वाणिज्य मंडलों की क्षेत्रीय शाखाओं के प्रतिनिधियों के साथ विचार-विमर्श किया गया। इसके अतिरिक्त कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा), अखिल भारतीय खाद्य प्रसंस्करण संघ (एआईएफपीए), अखिल भारतीय चावल निर्यातक संघ (एआईआरईए), भारतीय खाद्य एवं पेय संघ (आईएफबीए), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय तथा वाणिज्य विभाग के प्रतिनिधियों ने भी बैठक में भाग लिया और विषय से संबंधित अपने सुझाव एवं अनुभव साझा किए। समिति द्वारा भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों को और अधिक सुदृढ़ बनाने, निर्यात संवर्धन तथा कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के वैश्विक बाजार विस्तार की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर संसदीय स्थायी समिति के सदस्य सांसद श्री अमरा राम, श्री बिश्वजीत सिन्हा (राहुल सिन्हा), श्री रमेश अवस्थी, श्री अतुल गर्ग, श्री धनंजय भीमराव महाडिक, श्रीमती रेणुका चौधरी, श्रीमती रोजी सैलो दामोदरन, श्रीमती लामनेई सिंगसित, श्री दिलीप यादव, श्री सदानंद महालू शेट तानवड़े, श्रीमती अनीता शुभदर्शिनी, डॉ. शिवपाल सिंह पटेल, श्री आनंद भदौरिया, डॉ. प्रशांत यादवराव पडोले, डॉ. संगीता बलवंत, श्रीमती विजया एस. राजशेखर, श्री राजेन्द्र कुमार तथा श्री गिरधारी यादव उपस्थित थे।

भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों के मूल्यांकन हेतु वित्तीय एवं बीमा संस्थाओं से चर्चा

राज्यसभा सांसद एवं वाणिज्य संबंधी संसदीय स्थायी समिति की अध्यक्ष सुश्री डोला सेन की अध्यक्षता में आज रायपुर के एक निजी होटल में समिति की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक 10 से 12 जून 2026 तक अहमदाबाद, रायपुर और भुवनेश्वर के अध्ययन दौरा कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित की जा रही है। बैठक में ''भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों का मूल्यांकन'' विषय पर विस्तृत चर्चा की गई। समिति के सदस्यों द्वारा व्यापार, निवेश, निर्यात-आयात तथा दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की जा रही है। अध्ययन दौरे का उद्देश्य संबंधित हितधारकों एवं अधिकारियों से जानकारी प्राप्त कर विषय पर व्यापक एवं तथ्याधारित रिपोर्ट तैयार करना है। बैठक के दौरान भारत से कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के व्यापार एवं निर्यात को बढ़ावा देने के लिए उपलब्ध वित्तीय सहायता, ऋण एवं बीमा सुविधाओं तथा इनके विस्तार हेतु उठाए गए उपायों पर विशेष चर्चा की गई।

जनसमस्या निवारण शिविर में घनश्याम साहू को मिला नि:शुल्क लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस

- घर के समीप मिली परिवहन विभाग की सुविधा, समय और धन दोनों की हुई बचत
- सुशासन तिहार के माध्यम से आम नागरिकों तक पहुंच रही शासकीय सेवाएं

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में आयोजित सुशासन तिहार 2026 शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं को आम नागरिकों तक सरल, सुगम और प्रभावी ढंग से पहुंचाने का सशक्त माध्यम बन रहा है।राजनांदगांव जिले में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविरों के माध्यम से विभिन्न विभागों की सेवाएं नागरिकों को उनके घर के समीप उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे लोगों को त्वरित लाभ मिल रहा है। इसी क्रम में राजनांदगांव शहर के मोहड़ वार्ड निवासी श्री घनश्याम दास साहू को जनसमस्या निवारण शिविर के माध्यम से निरूशुल्क लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस की सुविधा प्राप्त हुई। श्री घनश्याम दास साहू ने बताया कि वे मोहड़ स्कूल परिसर में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी प्राप्त करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्हें परिवहन विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की जानकारी मिली। उन्होंने वहीं पर लर्निंग ड्राइविंग

लाइसेंस के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदन प्राप्त होने के बाद संबंधित अधिकारियों द्वारा आवश्यक प्रक्रिया पूरी करते हुए उनका निरूशुल्क लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस तत्काल जारी कर दिया गया। श्री साहू ने बताया कि सामान्य परिस्थितियों में लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए परिवहन विभाग के जिला कार्यालय जाना पड़ता, जिसमें समय और अतिरिक्त खर्च दोनों लगते। लेकिन सुशासन तिहार के अंतर्गत मोहड़ वार्ड में आयोजित शिविर के माध्यम से यह सुविधा उन्हें स्थानीय स्तर पर ही प्राप्त हो गई। इससे न केवल उनके समय की बचत हुई, बल्कि अनावश्यक आवागमन एवं खर्च से भी राहत मिली। उन्होंने कहा कि एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं उपलब्ध होने से उनका कार्य शीघ्रता एवं सहजता से पूर्ण हो गया। श्री घनश्याम दास साहू ने कहा कि शासन की यह पहल आम नागरिकों के लिए अत्यंत लाभकारी साबित हो रही है। सुशासन तिहार के माध्यम से लोगों को विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ आसानी से मिल रहा है और छोटे-छोटे कार्यों के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है।

आईसीएआर एनआईबीएसएम द्वारा खेत बचाओ अभियान के तहत किसानों को प्रशिक्षण

रायपुर/ संवाददाता

आईसीए आर राष्ट्रीय जैविक स्ट्रैस प्रबंधन संस्थान, रायपुर द्वारा संचालित खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत सतत कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने एवं मृदा स्वास्थ्य में सुधार के उद्देश्य से एक व्यापक किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बेलटुकरी, कुररा, नौगांव एवं पवनी ग्रामों के 51 किसान एवं महिला किसानों ने सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के निदेशक डॉ. पी.के. राय के संबोधन से हुआ। उन्होंने किसानों को खेत बचाओ अभियान के उद्देश्यों एवं महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध एवं असंतुलित उपयोग के कारण मृदा की उर्वरता एवं उसके समग्र स्वास्थ्य में लगातार गिरावट आ रही है। उन्होंने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य मृदा की गुणवत्ता को पुनर्स्थापित करना तथा पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देकर कृषि भूमि की उत्पादक क्षमता को सुदृढ़ बनाना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत किसानों को संस्थान के प्रायोगिक प्रक्षेत्र का भ्रमण भी कराया गया, जहाँ कार्यक्रम समन्वयक एवं संयुक्त निदेशक डॉ. पंकज शर्मा ने मूंग की फसल का हरी खाद के रूप में उपयोग करने का सजीव प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि हरी खाद के प्रयोग से मृदा में कार्बनिक पदार्थ की मात्रा बढ़ती है, मृदा की संरचना में सुधार होता है तथा दीर्घकालिक रूप से मृदा स्वास्थ्य एवं कृषि की स्थिरता को बढ़ावा मिलता है। तकनीकी सत्रों के दौरान संयुक्त निदेशक डॉ. अनिल दीक्षित ने विभिन्न प्रकार की हरी खाद वाली फसलों एवं मृदा उर्वरता बनाए रखने में उनकी भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इसके माध्यम से रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता को कम किया जा सकता है तथा मृदा स्वास्थ्य एवं पारिस्थितिकीय संतुलन को सुदृढ़ बनाया जा सकता है। किसानों को संबोधित करते हुए संयुक्त निदेशक डॉ. कल्याण मंडल ने जैव उर्वरकों एवं जैव नियंत्रक एजेंटों के उपयोग से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। उन्होंने किसानों से पर्यावरण हितैषी कृषि तकनीकों को अपनाने का आग्रह किया, जिससे टिकाऊ फसल उत्पादन एवं पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके। कार्यक्रम के समापन अवसर पर आयोजित संवादात्मक सत्र में किसानों ने अपने अनुभव साझा किए तथा मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन से संबंधित विभिन्न विषयों पर वैज्ञानिकों से मार्गदर्शन प्राप्त किया। किसानों ने संस्थान द्वारा आयोजित व्यावहारिक प्रदर्शनों एवं ज्ञानवर्धक प्रशिक्षण सत्रों की सराहना की।

सुशासन तिहार में श्रीमती अंजनी साहू को प्रदान किया नवीन राशन कार्ड.....

- जनसमस्या निवारण शिविर बना आमजन की समस्याओं के समाधान का प्रभावी माध्यम

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप आयोजित सुशासन तिहार आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं संवेदनशील समाधान का प्रभावी माध्यम बनकर उभर रहा है। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समय पर पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित जनसमस्या निवारण शिविरों में लोगों की समस्याओं का मौके पर

निराकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम मुलमुला निवासी श्रीमती अंजनी साहू को सुशासन तिहार के तहत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में नवीन राशन कार्ड प्रदान किया गया। राशन कार्ड नहीं होने के कारण उन्हें सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत मिलने वाले खाद्यान्न सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। श्रीमती अंजनी साहू ने अपनी समस्या लेकर जनसमस्या निवारण शिविर में आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदन प्राप्त होने के बाद संबंधित विभाग के अधिकारियों ने प्रकरण का परीक्षण कर आवश्यक प्रक्रिया पूरी की और उन्हें मौके पर ही नवीन राशन कार्ड जारी कर दिया। राशन कार्ड प्राप्त होने पर श्रीमती अंजनी साहू ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से उनकी समस्या का त्वरित समाधान हुआ है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस पहल से आम नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए भटकना नहीं पड़ रहा है, बल्कि प्रशासन स्वयं लोगों तक पहुंचकर उनकी समस्याओं का निराकरण कर रहा है।

गांजा तस्करी मामले में नगर सैनिक गिरफ्तार

रायपुर। जिले में मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत धमतरी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। अप्रैल माह में दर्ज गांजा तस्करी के एक मामले की जांच के दौरान एक नगर सैनिक की संलिप्तता सामने आने पर उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार थाना मगरलोड में 14 अप्रैल 2026 को अपराध क्रमांक 63/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) और 29 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया था। इस प्रकरण में पहले ही 1.660 किलोग्राम अवैध गांजा, नगदी और मोबाइल फोन सहित कुल 89,930 रुपये मूल्य की सामग्री जब्त कर पति-पत्नी को गिरफ्तार किया जा चुका था।

सृजन का कमाल

आकार में सिपोरेक्स और थर्माकोल से गढ़ी गई कला की नई दुनिया

- संस्कृति विभाग के प्रशिक्षण शिविर में बोनसाई कला का अनूठा प्रयोग, 80 प्रशिक्षार्थियों ने सीखी पर्यावरण संरक्षण और रचनात्मकता से जुड़ी अभिनव तकनीक

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित कला प्रशिक्षण शिविर 'आकार-2026' ने इस वर्ष प्रतिभागियों को केवल पारंपरिक और लोक कलाओं से ही नहीं, बल्कि नवाचार, पर्यावरण संरक्षण और रचनात्मक एक अनूठी कला से भी परिचित कराया। शिविर के दौरान बोनसाई कला के अंतर्गत प्रशिक्षुओं ने ऐसी तकनीक सीखी, जिसने सामान्यत: अनुपयोगी समझे जाने वाले सिपोरेक्स ब्लॉक्स और थर्माकोल के टुकड़ों को आकर्षक कलाकृतियों में बदल दिया। शिविर में प्रतिभागियों ने बेकार समझकर फेंक दिए जाने वाले सिपोरेक्स ब्लॉक्स एवं थर्माकोल पीस से विभिन्न आकार-प्रकार के कलात्मक गमले, प्राकृतिक लैंडस्केप, पहाड़, चट्टानें तथा सजावटी संरचनाएं तैयार करना सीखा। कला और पर्यावरण संरक्षण के इस अद्भुत संगम ने प्रशिक्षार्थियों को न केवल नई रचनात्मक संभावनाओं से परिचित कराया, बल्कि उन्हें अपशिष्ट सामग्री के उपयोग के प्रति भी जागरूक बनाया। इस विशेष प्रशिक्षण का संचालन प्रसिद्ध बोनसाई विशेषज्ञ डॉ. मनोज अग्रवाल ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों को सिखाया कि किस प्रकार साधारण और अनुपयोगी सामग्री को कल्पनाशीलता और तकनीकी कौशल के माध्यम से आकर्षक कलाकृतियों में परिवर्तित किया जा सकता है। प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने सामग्री चयन, डिजाइन निर्माण, आकार निर्धारण, रंग-सज्जा तथा बोनसाई प्रदर्शन के लिए उपयुक्त लैंडस्केप तैयार करने की बारीकियों से भी प्रशिक्षुओं

को अवगत कराया। शिविर में लगभग 80 प्रशिक्षार्थियों ने इस अनूठी विधा का प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण सत्रों के दौरान प्रतिभागियों का उत्साह देखते ही बनता था। युवा कलाकारों से लेकर वरिष्ठ कला प्रेमियों तक, सभी ने पूरे मनोयोग से इस कला को सीखा और अपने हाथों से आकर्षक मॉडल तैयार किए। प्रशिक्षण के अंतिम दिनों में तैयार की गई कलाकृतियों ने दर्शकों और अन्य प्रतिभागियों का भी ध्यान आकर्षित किया। प्रशिक्षार्थियों ने बताया कि यह कला न केवल सौंदर्यबोध विकसित करती है, बल्कि कम लागत में घर, बगीचे और सार्वजनिक स्थलों को आकर्षक बनाने का अवसर भी प्रदान करती है। उन्होंने इस नवाचारी प्रशिक्षण को 'आकार-2026' की सबसे रोचक और उपयोगी गतिविधियों में से एक बताया। विशेष बात यह रही कि प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले लगभग सभी प्रतिभागियों ने इस विधा के प्रति गहरी रुचि व्यक्त करते हुए आगामी 'आकार' शिविरों में भी इसे पुन: सीखने और उन्नत स्तर का प्रशिक्षण प्राप्त करने की इच्छा जताई। प्रशिक्षार्थियों का मानना है कि यह कला भविष्य में स्वरोजगार और रचनात्मक उद्यमिता के नए अवसर भी उपलब्ध करा सकती है। गौरतलब है कि 25 मई से 9 जून 2026 तक आयोजित संस्कृति विभाग के कला प्रशिक्षण शिविर 'आकार-2026' में चित्रकला, मूर्तिकला, लोक एवं जनजातीय कलाओं सहित अनेक विधाओं का प्रशिक्षण दिया गया। शिविर का समापन 9 जून को रंगारंग कार्यक्रम के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों द्वारा सीखी गई विविध कलाओं का प्रदर्शन भी किया गया। बोनसाई कला के अंतर्गत सिपोरेक्स और थर्माकोल से कलात्मक संरचनाएं बनाने का यह प्रयोग शिविर की सबसे चर्चित और सराहनीय गतिविधियों में शामिल रहा। इस प्रकार के नवाचार न केवल कला के नए आयाम खोलते हैं, बल्कि युवाओं को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाते हुए रचनात्मक सोच को भी प्रोत्साहित करते हैं।

संपादकीय

लोग अपराध कर क्यों रहे हैं, इस मनोविज्ञान को समझना भी जरूरी

देश में यह एक नई तस्वीर बन रही है कि आर्थिक असुरक्षा और बदहाली की स्थिति लोगों के मनोविज्ञान पर गहरा और घातक असर डाल रही है।सवाल है कि क्या केवल सख्ती के दावे और हिदायतों के दम पर राज्य में अपराध और आपराधिक मानसिकता वाले लोगों पर काबू पाया जा सकता है। उत्तर प्रदेश में हाल में हत्या की कई घटनाओं से साफ है कि अपराध पर काबू करने के सरकारी दावों के बरक्स हकीकत क्या है। ऐसा लगता है कि कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर राज्य की सरकार और पुलिस बेफिक्र हैं और दूसरी ओर अपराधियों का दुस्साहस लगातार बढ़ता जा रहा है। यह बेवजह नहीं है कि हत्या की लगातार कई वारदातों के बाद विपक्षी दलों की ओर से सरकार को कठघरे में खड़ा किया जाने लगा है।दरअसल, बीते कुछ दिनों के भीतर उत्तर प्रदेश में एशियाई खेलों के लिए चुने गए एक पैरा-एथलीट और एक राष्ट्रीय स्तर की कबड्डी महिला खिलाड़ी सहित हत्या की अन्य घटनाओं के बाद सरकार इस बात के लिए आलोचना के कठघरे में है कि क्या राज्य की कानून-व्यवस्था ठप हो चुकी है।अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि हाल में पिछले कुछ समय से लगातार बड़ी आपराधिक घटनाओं की वजह से खुद मुख्यमंत्री योगी के भीतर काफी नाराजगी देखी गई और उन्होंने ज्यादा अपराध दर वाले जिलों के पुलिस अधिकारियों को सख्त हिदायत दी।सवाल है कि क्या केवल सख्ती के दावे और हिदायतों के दम पर राज्य में अपराध और आपराधिक मानसिकता वाले लोगों पर काबू पाया जा सकता है। अगर ऐसा संभव हो पाता, तो आज राज्य सरकार जघन्य अपराधों में तेज बढ़ोतरी के लिए खुद को आलोचना के घेरे में खड़ा नहीं पाती। जब उत्तर प्रदेश में सत्ता परिवर्तन हुआ था, तब भाजपा का वादा यही था कि वह राज्य को अपराध और अपराधियों से मुक्त कराएगी।अपराधियों पर काबू पाने के मकसद से की गई कुछ फौरी सख्ती और कार्रवाइयों से ऐसा लगा भी। मगर हत्या या अन्य किसी जघन्य अपराध के आरोपियों को मुठभेड़ में मार गिराए जाने के कुछ मामलों में पुलिस के रवैये पर सवाल भी उठे। आज एक समांतर सच यह भी है कि आपराधिक मानसिकता के लोग बेधड़क सामान्य से लेकर जघन्य अपराधों को अंजाम दे रहे हैं और अपराध के खात्मे का दावा करने वाली सरकार अपराधियों को रोक पाने में नाकाम दिख रही है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि क्या आपराधिक मानसिकता वाले लोगों के भीतर पुलिस का खौफ खत्म हो गया है। अपराध के बेलगाम होते जाने के बीच अब ऐसी घटनाएं भी सामने आ रही हैं, जिनमें हत्या की वजहें हैरान करती हैं। उत्तर प्रदेश के मेरठ में राष्ट्रीय स्तर की एक कबड्डी खिलाड़ी की हत्या सिर्फ 3,600 रुपये के उधार की वजह से कर देने की खबर आई। इस घटना में भी पहला सवाल यही है कि आरोपी के भीतर आखिर क्यों पुलिस और कानूनी कार्रवाई का कोई खौफ नहीं था।दूसरे, कोई व्यक्ति अपने लिए तीन-चार हजार रुपये को इतनी बड़ी रकम कैसे मान लेता है कि वह उसके लिए किसी की हत्या कर दे। उत्तर प्रदेश की इस घटना के अलावा देश के अलग-अलग हिस्सों से अक्सर ऐसी खबरें आती हैं, जिनमें दो-चार या पांच सौ रुपये जैसी मामूली रकम के लिए किसी की जान ले ली जा रही है।क्या देश में यह एक नई तस्वीर बन रही है कि आर्थिक असुरक्षा और बदहाली की स्थिति लोगों के मनोविज्ञान पर गहरा और घातक असर डाल रही है? जाहिर है, आदतन या सुविधा से अपराध करने वालों के खिलाफ सख्ती के साथ-साथ सामान्य पृष्ठभूमि के लोगों के जघन्य अपराधों को अंजाम देने की परिस्थितियों और वजहों पर विचार करना वक्त की जरूरत है। बिना जड़ पर प्रहार किए अपराध पर पूरी तरह काबू पाना एक चुनौती बनी रहेगी।

सीबीआई की जांच और संसदीय समिति की पूछताछ में यह संकेत मिले हैं कि प्रश्नपत्र तैयार करने और परीक्षा प्रबंधन से जुड़े कुछ अधिकारियों ने मोटी रकम लेकर चुनिंदा छात्रों तक प्रश्नपत्र पहुंचाने का काम किया। यदि ये आरोप सही हैं तो यह केवल भ्रष्टाचार नहीं बल्कि संस्थागत विश्वासघात है। भारत में परीक्षा अब केवल योग्यता का आकलन नहीं रह गई है बल्कि यह करोड़ों सपनों की निर्णायक कसौटी बन चुकी है लेकिन जब यही कसौटी बार-बार संदिग्ध हो जाए, जब मेहनत और ईमानदारी की जगह 'जुगाड़' और 'माफिया नेटवर्क' हावी हो जाएं, तब यह केवल परीक्षा का संकट नहीं बल्कि राष्ट्र के भविष्य का संकट बन जाता है।

टूटते भरोसे के वेंटिलेटर पर देश की परीक्षा व्यवस्था

योगेश कुमार गोयल

पेपर लीक के चलते नीट-यूजी 2026 परीक्षा का रद्द होना, सीबीएसई की ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली पर उठे गंभीर सवाल और एसएससी जीडी परीक्षा में धांधली, ये घटनाएं मिलकर यह साबित करती हैं कि भारत की परीक्षा प्रणाली अब गहरे संस्थागत संकट में फंस चुकी है और भारत की परीक्षा प्रणाली अब वेंटिलेटर पर है। नीट-यूजी 2026 का घटनाक्रम तो इस विफलता की सबसे भयावह तस्वीर पेश करता है। लगभग 22.79 लाख छात्रों की मेहनत, उनके परिवारों के त्याग और वर्षों की तैयारी एक झटके में शून्य हो गई। यह केवल एक परीक्षा का रद्द होना नहीं था बल्कि उस विश्वास का टूटना था, जिस पर पूरी शिक्षा व्यवस्था टिकी हुई है। इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह है कि इस बार मामला केवल बाहरी गिरोहों तक सीमित नहीं रहा बल्कि जांच में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के भीतर तक मिलीभगत के आरोप सामने आए।

सीबीआई की जांच और संसदीय समिति की पूछताछ में यह संकेत मिले हैं कि प्रश्नपत्र तैयार करने और परीक्षा प्रबंधन से जुड़े कुछ अधिकारियों ने मोटी रकम लेकर चुनिंदा छात्रों तक प्रश्नपत्र पहुंचाने का काम किया। यदि ये आरोप सही हैं तो यह केवल भ्रष्टाचार नहीं बल्कि संस्थागत विश्वासघात है। जिस संस्था को निष्पक्षता की गारंटी देनी थी, वही यदि धांधली का हिस्सा बन जाए तो पूरी व्यवस्था का नैतिक आधार ही खत्म हो जाता है। नीट पेपर लीक की प्रकृति भी सामान्य नहीं थी। 'गेस पेपर' के नाम पर लगभग 150 से अधिक प्रश्नों का हूबहू मिल जाना, परीक्षा से पहले 600 अंकों तक के सवालों का प्रसार, व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म्स पर खुलेआम प्रश्नपत्र का घूमना, ये सब किसी संयोग का परिणाम नहीं हो सकते। यह एक संगठित, बहुस्तरीय और तकनीकी रूप से सक्षम नेटवर्क का संकेत है, जो परीक्षा प्रणाली की हर कमजोर कड़ी को भेद चुका है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि 2024 में पेपर लीक के बाद भी कोई ठोस सुधार क्यों नहीं हुआ? सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों, जांच समितियों और सिफारिशों के बावजूद 2026 में स्थिति और बदतर कैसे हो गई? इसका सीधा अर्थ है कि समस्या तकनीकी कम और इच्छाशक्ति की अधिक है।

भारत की परीक्षा प्रणाली का ढांचा ही कई स्तरों पर कमजोर है। प्रश्नपत्रों की छपाई से लेकर वितरण तक की प्रक्रिया में निजी एजेंसियों और आउटसोर्स कर्मचारियों की बड़ी भूमिका रहती है। यही वह जगह है, जहां से माफिया नेटवर्क अपनी जड़ें जमाता है। जब प्रश्नपत्र परीक्षा केंद्र तक पहुंचने से पहले ही स्कैन होकर डिजिटल रूप में फैल सकता है तो यह स्पष्ट संकेत है कि सुरक्षा तंत्र केवल कागजों पर मजबूत है, जमीन पर नहीं। दूसरी ओर, कोचिंग उद्योग का अनियंत्रित विस्तार इस संकट को और गहरा कर रहा है। मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाएं अब हजारों करोड़ रुपये का बाजार बन चुकी हैं। इस बाजार में 'सफलता' एक उत्पाद है, जिसे खरीदने के लिए छात्र और अभिभावक किसी भी हद तक जाने को मजबूर हैं। इसी मानसिकता का फायदा उठाकर एजुकेशन माफिया 'सीक्रेट पेपर', '100 प्रतिशत सलेक्शन गारंटी' और 'इनसाइडर एक्सेस' जैसे झूठे वादों के जरिए पूरे सिस्टम को खोखला कर रहा है।

यदि नीट प्रकरण परीक्षा प्रणाली की सुरक्षा पर सवाल खड़ा करता है तो सीबीएसई का ओएसएम विवाद मूल्यांकन प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर चोट करता है। डिजिटल मूल्यांकन को पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से लागू किया गया था लेकिन इसके परिणाम उलटे दिखाई दिए। पास प्रतिशत में गिरावट, मेधावी छात्रों को अपेक्षा से कम अंक मिलना और स्कैन की गई कॉपियों में भारी गड़बड़ियां, ये सब इस बात के संकेत हैं कि तकनीक को बिना पर्याप्त तैयारी और परीक्षण के लागू किया गया। कई छात्रों ने शिकायत की कि उनकी कॉपियां धुंधली थी, कुछ को गलत उत्तर पुस्तिकाएं मिली और कुछ मामलों में तो पूरी कॉपी ही किसी और की थी। यह स्थिति केवल तकनीकी त्रुटि नहीं मानी जा सकती बल्कि यह सरासर गंभीर प्रशासनिक लापरवाही है। यदि एक छात्र की मेहनत को किसी दूसरे की कॉपी से बदल दिया जाए तो यह केवल गलती नहीं है बल्कि उस छात्र के भविष्य के साथ सीधा खिलवाड़ है। शिक्षा मंत्रालय और बोर्ड भले ही इन खामियों को सीमित मामलों तक बताकर पल्ला झाड़ने की कोशिश करें लेकिन छात्रों में बढ़ता असंतोष इस बात का प्रमाण है कि समस्या व्यापक है।

तीसरी बड़ी घटना, एसएससी कांस्टेबल जीडी परीक्षा में धांधली, इस बात को और स्पष्ट करती है कि यह संकट किसी एक परीक्षा या संस्था तक सीमित नहीं है। उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में पेपर लीक, तकनीकी खराबी और प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण परीक्षा रद्द करनी पड़ी। ग्रेटर नोएडा में यूपी एसटीएफ द्वारा पकड़े गए रैकेट ने इस धांधली के आधुनिक रूप को उजागर किया। प्रॉक्सी सर्वर, स्क्रीन शेयरिंग ऐप्स और डमी कैंडिडेट्स के जरिए परीक्षा में हेरफेर किया जा रहा था। यह पारंपरिक नकल या पेपर लीक से कहीं अधिक खतरनाक है क्योंकि इसमें तकनीक का इस्तेमाल कर पूरी प्रणाली को भीतर से हैक किया जा रहा है। इन तीनों घटनाओं को एक साथ देखें तो एक भयावह तस्वीर उभरती है, एक ऐसी व्यवस्था, जहां प्रश्नपत्र सुरक्षित नहीं, मूल्यांकन विश्वसनीय नहीं और परीक्षा प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है। सबसे अधिक पीड़ित वह छात्र है, जो ईमानदारी से मेहनत करता है। ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों छात्र, जिनके माता-पिता ने कर्ज लेकर या जमीन गिरवी रखकर उन्हें कोचिंग दिलाई, आज सबसे ज्यादा निराश हैं। एक परीक्षा रद्द होने का मतलब केवल दोबारा परीक्षा देना नहीं होता बल्कि यह मानसिक तनाव, आर्थिक बोझ और आत्मविश्वास के टूटने का कारण बनता है।

इस पूरे संकट का एक और खतरनाक पहलू है व्यवस्था के प्रति बढ़ता अविश्वास। जब छात्र यह मानने लगें कि सफलता मेहनत से नहीं बल्कि 'सेटिंग' से मिलती है तो यह केवल शिक्षा का नहीं बल्कि सामाजिक नैतिकता का भी पतन है। अब सवाल यह है कि समाधान क्या है? क्या हर बार जांच, गिरफ्तारी और बयानबाजी से काम चल जाएगा? स्पष्ट है कि नहीं। सबसे पहले परीक्षा प्रणाली में पूर्ण डिजिटल और एन्क्रिप्टेड मॉडल लागू करना होगा। प्रश्नपत्रों को परीक्षा से कुछ मिनट पहले तक सुरक्षित सर्वर में रखा जाए और सीधे केंद्रों पर डिजिटल रूप में उपलब्ध कराया जाए। इससे छपाई और परिवहन से जुड़ी कमजोरियां समाप्त होंगी। दूसरा, आउटसोर्सिंग व्यवस्था को सीमित करना होगा। संवेदनशील कार्यों में केवल प्रशिक्षित और जवाबदेह सरकारी कर्मचारियों की नियुक्ति होनी चाहिए। तीसरा, पेपर लीक को संगठित आर्थिक अपराध घोषित कर इसके लिए गैर-जमानती कठोर कानून बनाए जाएं। जब तक अपराधियों को कठोर सजा नहीं मिलेगी, तब तक यह धंधा बंद नहीं होगा। चौथा, साइबर निगरानी को मजबूत करना होगा। टेलीग्राम, डार्क वेब और एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म्स पर सक्रिय नेटवर्क को ट्रैक करने के लिए विशेष एजेंसियां बनाई जानी चाहिए। पांचवां, तकनीक को लागू करने से पहले उसका व्यापक परीक्षण और प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जाए। सीबीएसई ओएसएम विवाद ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बिना तैयारी के लागू की गई तकनीक समाधान नहीं बल्कि नई समस्या बन सकती है।

सबसे महत्वपूर्ण है राजनीतिक और प्रशासनिक इच्छाशक्ति। जब तक सरकार इस समस्या को 'राष्ट्रीय आपदा' की तरह नहीं देखेगी, तब तक आधे-अधूरे समाधान ही सामने आएंगे। नीट-यूजी 2026, सीबीएसई ओएसएम विवाद और एसएससी परीक्षा धांधली, ये घटनाएं चेतावनी हैं। यदि अब भी कठोर और स्थायी सुधार नहीं किए गए तो आने वाले समय में हर परीक्षा संदेह के घेरे में होगी। तब सबसे बड़ी त्रासदी यह नहीं होगी कि पेपर लीक हुआ बल्कि यह होगी कि देश के युवाओं का विश्वास पूरी तरह टूट जाएगा। और जिस राष्ट्र के युवा ही अपनी व्यवस्था पर विश्वास खो दें, उसके भविष्य की नींव कितनी कमजोर हो जाती है, यह समझना मुश्किल नहीं है।(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और 'सागर से अंतरिक्ष तक= भारत की रक्षा क्रांति' सहित कई चर्चित पुस्तकों के लेखक हैं)

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

पाकिस्तान के बाद अब बांग्लादेश से रक्षा संबंध बना रहा तुर्किये, भारत को दो तरफ से घेरने की रणनीति!

(नीरज कुमार दुबे)

तुर्किये ने साफ संकेत दे दिया है कि वह दक्षिण एशिया में अपनी मौजूदगी केवल व्यापार या मानवीय सहायता तक सीमित नहीं रखना चाहता। ढाका में हुई उच्च स्तरीय वार्ता में रक्षा सहयोग, रक्षा उत्पादन, सामरिक साझेदारी और आर्थिक विस्तार पर जिस गंभीरता से चर्चा हुई, वह भारत के लिए साधारण घटना नहीं है।

दक्षिण एशिया की बदलती भू राजनीतिक बिसात पर अब एक नया और बेहद खतरनाक समीकरण तेजी से उभर रहा है। भारत विरोधी रवैये के लिए लंबे समय से चर्चित तुर्किये अब केवल पाकिस्तान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उसने बांग्लादेश के साथ भी अपने रक्षा और सामरिक रिश्तों को तेजी से विस्तार देना शुरू कर दिया है। ढाका पहुंचे तुर्किये के विदेश मंत्री हाकान फिदान ने जिस तरह बांग्लादेश को दक्षिण एशिया की सुरक्षा संरचना का महत्वपूर्ण स्तंभ बताया, उसने नई दिल्ली की चिंता और गहरा दी है। इस बयान को भारत के चारों ओर रणनीतिक दबाव बनाने की सुनियोजित चाल के रूप में देखा जा रहा है।

तुर्किये ने साफ संकेत दे दिया है कि वह दक्षिण एशिया में अपनी मौजूदगी केवल व्यापार या मानवीय सहायता तक सीमित नहीं रखना चाहता। ढाका में हुई उच्च स्तरीय वार्ता में रक्षा सहयोग, रक्षा उत्पादन, सामरिक साझेदारी और आर्थिक विस्तार पर जिस गंभीरता से चर्चा हुई, वह भारत के लिए साधारण घटना नहीं है। बांग्लादेश ने तुर्किये को रक्षा सामग्री निर्माण में निवेश का खुला न्योता दिया है। दोनों देशों ने पारंपरिक सहयोग से आगे बढ़कर रणनीतिक साझेदारी की दिशा में कदम बढ़ाने की बात कही है। यह वही तुर्किये है जिसने पाकिस्तान के साथ मिलकर वर्षों तक भारत विरोधी मोर्चेबंदी की, कश्मीर मुद्दे पर खुलकर इस्लामाबाद का साथ दिया और इस्लामी सहयोग संगठन के मंचों पर भारत के खिलाफ माहौल बनाने का प्रयास किया।

उधर, दिल्ली की सबसे बड़ी चिंता यह है कि तुर्किये अब भारत के पश्चिमी मोर्चे पर पाकिस्तान और पूर्वी मोर्चे पर बांग्लादेश के साथ समानांतर सामरिक रिश्ते बना रहा है। यह दो तरफा दबाव की रणनीति जैसी दिखाई देती है। पाकिस्तान पहले से ही तुर्किये के रक्षा उद्योग, ड्रोन तकनीक और सैन्य प्रशिक्षण का लाभ उठा रहा है। अब यदि वही ढांचा बांग्लादेश तक पहुंचता है, तो भारत के लिए सुरक्षा समीकरण और जटिल हो जाएंगे। खास तौर पर तब, जब बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद नई सरकार अपनी विदेश नीति को नए ढंग से गढ़ने की कोशिश कर रही है।इसके अलावा, तुर्किये और बांग्लादेश के बीच केवल रक्षा सहयोग ही नहीं, बल्कि आर्थिक और संस्थागत साझेदारी भी तेजी से बढ़ रही है। दोनों देश व्यापार को तेरह अरब डॉलर से बढ़ाकर बीस अरब डॉलर तक ले जाने की तैयारी में हैं। विशेष आर्थिक क्षेत्रों में तुर्किये को निवेश का निमंत्रण दिया गया है।

वस्त्र, दवा निर्माण, जहाज निर्माण और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाया जा रहा है। ढाका में अंतरराष्ट्रीय स्तर का अस्पताल और नर्सिंग संस्थान स्थापित करने का प्रस्ताव भी दिया गया है। यह साफ दिखाता है कि तुर्किये केवल सैन्य साझेदारी नहीं, बल्कि दीर्घकालिक प्रभाव स्थापित करने की नीति पर काम कर रहा है।सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि तुर्किये दक्षिण एशिया में खुद को मुस्लिम दुनिया के प्रभावशाली संरक्षक के रूप में स्थापित करना चाहता है। रोहिंग्या मुद्दे पर उसकी सक्रियता, गाजा पर आक्रामक बयानबाजी और बांग्लादेश के साथ मानवीय सहयोग इसी रणनीति का हिस्सा हैं। लेकिन इसके पीछे छिपा बड़ा उद्देश्य क्षेत्रीय प्रभाव विस्तार और भारत की सामरिक चुनौती को बढ़ाना है।वैसे तो तुर्किये लगातार यह कह रहा है कि भारत को उसके पाकिस्तान से रिश्तों की वजह से उससे दूरी नहीं बनानी चाहिए। लेकिन असली सवाल भरोसे का है। राष्ट्रपति एर्दोआन कई बार खुलकर कश्मीर पर पाकिस्तान के समर्थन में बयान दे चुके हैं। तुर्किये ने पाकिस्तान के साथ अपने रक्षा रिश्ते भी काफी मजबूत कर लिए हैं। इतना ही नहीं, पिछले साल भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के दौरान तुर्किये ने पाकिस्तान को रक्षा उपकरण और ड्रोन तक मुहैया कराए थे। भारत ने पाकिस्तान की तरफ से आए जिन कई ड्रोनों को मार गिराया था, उनमें तुर्किये में बने ड्रोन भी शामिल थे। ऐसे में तुर्किये का भारत से दोस्ती और संतुलन की बात करना नई दिल्ली को एक सोची समझी रणनीतिक चाल जैसा लगता है। यही वजह है कि भारत भी अब तुर्किये को उसी की भाषा में जवाब दे रहा है।

दरअसल, भारत ने हाल के वर्षों में साइप्रस और आर्मेनिया के साथ अपने रक्षा संबंधों को तेजी से मजबूत किया है। आर्मेनिया अब भारतीय हथियारों का बड़ा खरीदार बन चुका है। साइप्रस के साथ भी भारत रणनीतिक और रक्षा सहयोग बढ़ा रहा है। यह सीधे-सीधे तुर्किये को संदेश है कि यदि अंकारा भारत के पड़ोस में दखल बढ़ाएगा, तो नई दिल्ली भी तुर्किये के सामरिक क्षेत्र में जवाबी दबाव बनाएगी। जिस तरह तुर्किये पाकिस्तान और अब बांग्लादेश के जरिए भारत को घेरने की कोशिश कर रहा है, उसी तरह भारत भी तुर्किये के विरोधी या प्रतिस्पर्धी देशों के साथ संबंध मजबूत कर रहा है। यह नई शीत प्रतिद्वंद्विता का संकेत है।

उधर, बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान की विदेश नीति भी इस समय भारत के लिए गहरी चिंता का विषय बनती जा रही है। भारत की ओर से सबसे पहले आधिकारिक यात्रा का निमंत्रण मिलने के बावजूद रहमान ने पहले मलेशिया और फिर चीन जाने का फैसला किया।

तृणमूल कांग्रेस में टूट और ममता की बढ़ती चिन्ताएं

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस के समक्ष खड़ी चुनौतियों को भी इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जा सकता है। जब किसी दल का नेतृत्व स्वयं को संगठन और जनता से ऊपर मानने लगता है, तब असंतोष जन्म लेता है, कार्यकर्ता दूर होने लगते हैं और अंततः राजनीतिक आधार कमजोर पड़ने लगता है। पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), जिसने पिछले डेढ़ दशक से बंगाल की राजनीति पर लगभग एकाधिकार स्थापित कर रखा था, आज आंतरिक असंतोष, नेतृत्व संबंधी प्रश्नों और जनविश्वास के संकट से जूझती दिखाई दे रही है। पार्टी के भीतर असंतुष्ट नेताओं और विधायकों की गतिविधियों ने यह संकेत दिया है कि संगठनात्मक एकता में दरारें उभर रही हैं। यह स्थिति केवल किसी एक राजनीतिक दल का संकट नहीं है, बल्कि लोकतंत्र में राजनीतिक मूल्यों, जनभावनाओं और नेतृत्व की भूमिका पर पुनर्विचार का अवसर भी है।

(ललित गर्ग)

राजनीति में इतिहास बार-बार यह प्रमाणित करता रहा है कि जब भी सत्ता के साथ अहंकार जुड़ता है, जनता अंततः उसका उत्तर देती है। लोकतंत्र में जनता ही अंतिम निर्णायक होती है। चाहे वह इंदिरा गांधी का आपातकाल हो, पश्चिम बंगाल में वामपंथी शासन या दिल्ली में आम आदमी पार्टी का अंत या फिर उत्तर प्रदेश एवं बिहार की अनेक राजनीतिक घटनाएँ-हर जगह जनता ने यह संदेश दिया है कि सत्ता जनता की सेवा के लिए है, शासन के अहंकार के लिए नहीं।ममता बनर्जी को कभी संघर्षशील, जुझारू और जननेता के रूप में देखा जाता था। उन्होंने वामपंथी शासन के लंबे दौर को समाप्त कर बंगाल में परिवर्तन का नया अध्याय लिखा। किंतु समय के साथ उनकी राजनीति पर अहंकारवाद, व्यक्तिवाद और तुष्टिकरण के आरोप बढ़ते गए। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पार्टी के भीतर निर्णय प्रक्रिया का अत्यधिक केंद्रीकरण और कुछ व्यक्तियों का बढ़ता प्रभाव अनेक वरिष्ठ नेताओं को असहज करता रहा है। यही कारण है कि समय-समय पर असंतोष के स्वर उभरते रहे हैं। राजनीतिक टिप्पणीकारों द्वारा प्रकाशित विश्लेषणों में भी यह प्रश्न उठाया गया है कि यदि किसी दल में संगठन से अधिक व्यक्ति महत्वपूर्ण हो जाए, तो वहां असंतोष स्वाभाविक रूप से जन्म लेता है। हाल के घटनाक्रमों ने इस आशंका को और बल दिया है। जिस प्रकार पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेता और विधायक नेतृत्व की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे हैं, उससे यह स्पष्ट होता है कि समस्या केवल व्यक्तियों की नहीं, बल्कि संगठनात्मक संस्कृति की भी है।

भारतीय राजनीति में हाल के वर्षों में आम आदमी पार्टी और उसके नेता अरविंद केजरीवाल का उदाहरण भी इस संदर्भ में उल्लेखनीय है। वर्ष 2013 से लेकर 2024 तक दिल्ली की राजनीति में आम आदमी पार्टी ने अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की। भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से निकले केजरीवाल को जनता ने ईमानदार, पारदर्शी और वैकल्पिक राजनीति के प्रतीक के रूप में स्वीकार किया। लेकिन समय के साथ सत्ता का केंद्रीकरण, विरोधियों के प्रति असहिष्णुता, राजनीतिक अहंकार और स्वयं को अजेय मान लेने की प्रवृत्ति उनके नेतृत्व पर हावी होती दिखाई दी। जनता ने देखा कि जो दल कभी राजनीतिक शुचिता और नैतिकता की बात करता था, वह भी सत्ता के उसी मोह और व्यक्तिकेंद्रित राजनीति का शिकार होता जा रहा है, जिसके विरुद्ध उसने संघर्ष प्रारम्भ किया था। परिणामस्वरूप दिल्ली की राजनीति में उसका प्रभाव कमजोर हुआ और जनता ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि लोकतंत्र में कोई भी नेता अथवा दल जनता से बड़ा नहीं होता। यह घटना इस सत्य को पुनः स्थापित करती है कि जनता लंबे समय तक अहंकार, अतिशयोक्ति और आत्ममुग्धता को स्वीकार नहीं करती।

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस के समक्ष खड़ी चुनौतियों को भी इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जा सकता है। जब किसी दल का नेतृत्व स्वयं को संगठन और जनता से ऊपर मानने लगता है, तब असंतोष जन्म लेता है, कार्यकर्ता दूर होने लगते हैं और अंततः राजनीतिक आधार कमजोर पड़ने लगता है। इतिहास बताता है कि लोकतंत्र में विनम्रता, संवाद, जनभावनाओं का सम्मान और राष्ट्रहित के प्रति प्रतिबद्धता ही स्थायी राजनीतिक सफलता की कुंजी हैं। किसी भी लोकतांत्रिक दल की शक्ति उसके विचार, संगठन और कार्यकर्ताओं में होती है, न कि केवल एक नेता में। जब दल विचारधारा की बजाय व्यक्तिपूजा पर आधारित होने लगते हैं, तब उनका संकट निश्चित हो जाता है। भारतीय राजनीति में अनेक उदाहरण हैं जहाँ परिवारवाद ने दलों की जड़ों को कमजोर किया। महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विभाजन के पीछे भी नेतृत्व और उत्तराधिकार से जुड़े प्रश्न महत्वपूर्ण रहे। बंगाल में भी इसी प्रकार की चर्चाएँ समय-समय पर सामने आती रही हैं। तृणमूल कांग्रेस के सामने दूसरा बड़ा संकट उसकी सार्वजनिक छवि का है। शिक्षक भर्ती, नगर निकायों तथा अन्य प्रशासनिक मामलों से जुड़े विवादों ने जनता के मन में अनेक प्रश्न खड़े किए हैं। किसी भी सरकार की सबसे बड़ी पूंजी जनता का विश्वास होता है। यदि जनता को यह महसूस होने लगे कि शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही कम हो रही है, तो राजनीतिक नुकसान होना स्वाभाविक है।

इसके साथ ही पश्चिम बंगाल में लंबे समय से चल रही पहचान, नागरिकता, सीमा सुरक्षा और अवैध घुसपैठ से जुड़ी बहसों ने भी राजनीतिक वातावरण को प्रभावित किया है। भारतीय जनता पार्टी ने इन मुद्दों को राष्ट्रीय सुरक्षा और सांस्कृतिक अस्मिता के प्रश्न के रूप में प्रस्तुत किया। भाजपा का तर्क रहा है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि होना चाहिए और किसी भी प्रकार की तुष्टिकरण की राजनीति अंततः समाज को विभाजित करती है। यही कारण है कि बंगाल में भाजपा ने अपनी राजनीतिक रणनीति को राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक पहचान और सुशासन के मुद्दों पर केंद्रित किया। भाजपा की बंगाल यात्रा भी अपने आप में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक अध्ययन का विषय है। कभी केवल दो सीटों तक सीमित रहने वाली पार्टी आज राज्य की सत्ता शक्ति बन चुकी है। यह परिवर्तन अचानक नहीं हुआ। इसके पीछे वर्षों का संगठनात्मक विस्तार, बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं का निर्माण, राष्ट्रीय नेतृत्व की सक्रियता तथा स्थानीय मुद्दों को राष्ट्रीय विमर्श से जोड़ने की रणनीति रही है। भाजपा ने बंगाल में यह संदेश देने का प्रयास किया कि वह केवल एक राजनीतिक विकल्प नहीं, बल्कि वैचारिक विकल्प भी है। हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि केवल राष्ट्रवाद या धार्मिक पहचान के आधार पर किसी दल की स्थायी सफलता सुनिश्चित नहीं होती। लोकतंत्र में जनता विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा भी चाहती है। इसलिए किसी भी राजनीतिक दल के लिए आवश्यक है कि वह राष्ट्रीय भावना के साथ-साथ जनकल्याणकारी नीतियों को भी प्राथमिकता दे।

राष्ट्र और राजनीति का संबंध अत्यंत गहरा है। कोई भी राजनीतिक दल तभी दीर्घकालिक सफलता प्राप्त कर सकता है जब वह राष्ट्रहित, संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और जनभावनाओं के प्रति प्रतिबद्ध रहे। यदि कोई दल ऐसे तत्वों का समर्थन करता हुआ दिखाई देता है जो राष्ट्रीय एकता के विरुद्ध हों, तो जनता धीरे-धीरे उससे दूरी बनाने लगती है। भारत की लोकतांत्रिक चेतना इतनी परिपक्व हो चुकी है कि वह अंततः राष्ट्रहित और जनहित के बीच संतुलन स्थापित करने वाले नेतृत्व को ही स्वीकार करती है। पश्चिम बंगाल का वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य इसी सत्य की पुष्टि करता है। तृणमूल कांग्रेस के सामने चुनौती केवल बगावत या संगठनात्मक असंतोष नहीं है, बल्कि जनता के विश्वास को पुनः अर्जित करने की भी है। यदि पार्टी आत्ममंथन करती है, संगठन को लोकतांत्रिक बनाती है, पारदर्शिता बढ़ाती है और जनभावनाओं को समझने का प्रयास करती है, तो वह अपनी स्थिति को पुनः मजबूत कर सकती है। लेकिन यदि अहंकार, व्यक्तिवाद और तुष्टिकरण की राजनीति जारी रहती है, तो संकट और गहरा सकता है। यही लोकतंत्र का शाश्वत सत्य है और यही पश्चिम बंगाल की वर्तमान राजनीति का सबसे बड़ा सबक भी। लोकतंत्र का सबसे बड़ा संदेश यही है कि सत्ता स्थायी नहीं होती, किंतु मूल्य स्थायी होते हैं। राजनीतिक दल आते-जाते रहते हैं, लेकिन जनता की अपेक्षाएँ और राष्ट्र की आवश्यकताएँ हमेशा बनी रहती हैं। जो दल इन अपेक्षाओं को समझते हैं, वे इतिहास बनाते हैं और जो इन्हें अनदेखा करते हैं, वे इतिहास बन जाते हैं। आज बंगाल की राजनीति एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। आने वाले वर्षों में यह स्पष्ट होगा कि तृणमूल कांग्रेस आत्मसुधार का मार्ग चुनती है या राजनीतिक पतन की ओर बढ़ती है। लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

पीएम मोदी के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा महिला मोर्चा द्वारा किया गया कार्यक्रम आयोजित

किरन्दुल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल नेतृत्व के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राम मंदिर परिसर में भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा द्वारा विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में देश के विकास, सुशासन, महिला सशक्तिकरण एवं जनकल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश डाला गया। उपस्थित महिलाओं ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राष्ट्र की निरंतर प्रगति एवं समृद्धि के लिए प्रार्थना की तथा उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। इस अवसर पर महिला मोर्चा की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बहनों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रहित एवं समाज सेवा के

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा मंडल किरंदुल ने चलाया स्वच्छता अभियान, किया वृक्षारोपण

केंद्र सरकार के 12 वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भाजपा मंडल किरंदुल द्वारा स्वच्छता एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम जिलाध्यक्ष संतोष गुप्ता के निर्देशानुसार तथा भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय सोढ़ी के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का नेतृत्व नगर पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह एवं पूर्व श्रम आयोग सदस्य आर.नाहक ने किया। स्वच्छता अभियान के तहत हनुमान टेकरी, अटल परिसर एवं गौठान क्षेत्र में साफ-सफाई की गई। भाजपा कार्यकर्ताओं ने श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया तथा नागरिकों से अपने आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने की अपील की। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण दोनों ही राष्ट्र निर्माण के महत्वपूर्ण आधार हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में जनभागीदारी आधारित अभियानों ने समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य किया है। कार्यक्रम में भाजपा मंडल के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ कार्यकर्ता, युवा मोर्चा एवं महिला मोर्चा के सदस्य सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

दूसरे दिन भी ईंधन संकट बरकरार, अधिकांश पेट्रोल पंप बंद, एकमात्र फ्यूल प्वाइंट पर पुलिस तैनात

कोण्डागांव। जिला मुख्यालय कोण्डागांव में ईंधन संकट के हालात दूसरे दिन भी बने हुए हैं। शहर में स्थित अधिकांश पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल और डीजल का स्टॉक समाप्त हो जाने से वे बंद पड़े हैं, जबकि एकमात्र संचालित फ्यूल प्वाइंट पर वाहनों की लंबी कतारें लग रही हैं। बढ़ती भीड़ को देखते हुए पेट्रोल पंप परिसर में पुलिस जवानों की भी तैनाती की गई।

जानकारी अनुसार, कोण्डागांव में हिन्दुस्तान पेट्रोलियम (एचपी) के पांच, इंडियन ऑयल के दो तथा भारत पेट्रोलियम का एक फ्यूल रिफिल प्वाइंट संचालित है। इनमें से अधिकांश पंपों पर ईंधन समाप्त हो चुका है, जिसके कारण वे बंद हैं। बस स्टैंड के पास स्थित ज्योति पेट्रोल पंप में गुरुवार सुबह एक टैंकर से पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति हुई थी, लेकिन सुबह से उमड़ी भारी भीड़ के चलते दोपहर तक पूरा स्टॉक समाप्त हो गया। अगली आपूर्ति कब पहुंचेगी, इसकी स्पष्ट जानकारी पंप प्रबंधन के पास भी नहीं है इधर शहर के नारंगी नदी के पास स्थित दिनेश इंडियन ऑयल फ्यूल प्वाइंट पर फिलहाल पेट्रोल और डीजल दोनों उपलब्ध हैं। फ्यूल प्वाइंट संचालक दिनेश जैन ने बताया कि उनके पास पर्याप्त मात्रा में ईंधन उपलब्ध है और उपभोक्ताओं को लगातार आपूर्ति की जा रही है। हालांकि बढ़ती भीड़ और संभावित अव्यवस्था को देखते हुए प्रशासन ने फ्यूल प्वाइंट पर पुलिस बल तैनात किया है। साथ ही डिब्बों में पेट्रोल-डीजल देने पर रोक लगा दी गई है। शासन के दिशा-निर्देशों के अनुसार दोपहिया वाहनों को अधिकतम 200 रुपये, चारपहिया एवं अन्य वाहनों को 1000 रुपये तथा आवश्यक परिस्थितियों में बड़े वाहनों को अधिकतम 2000 रुपये तक का ईंधन दिया जा रहा है। ईंधन संकट के चलते आम नागरिकों, किसानों और परिवहन व्यवसाय से जुड़े लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शहरवासियों की नजर अब ईंधन की नई खेप और अन्य पेट्रोल पंपों पर आपूर्ति बहाल होने पर टिकी हुई है।

कोण्डागांव में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई प्री बीएड और बीएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षा, 8 केंद्रों में शामिल हुए 1581 परीक्षार्थी

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) द्वारा आयोजित प्री बीएड एवं बीएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षाएं गुरुवार को कोण्डागांव जिले में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुईं। परीक्षा के लिए जिले में कुल 8 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। डिप्टी कलेक्टर एवं व्यापम परीक्षा नोडल अधिकारी रश्मि पोया ने बताया कि, कुल 8 परीक्षा केंद्रों में से 5 केंद्र प्री बीएड परीक्षा तथा 3 केंद्र बीएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षा के लिए निर्धारित किए गए थे। उन्होंने बताया कि, प्री बीएड परीक्षा में कुल 1479 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 1063 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। वहीं बीएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षा में 769 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 518 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। इस प्रकार दोनों परीक्षाओं में कुल 2248 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 1581 अभ्यर्थी उपस्थित रहे।

16 जून से 15 अगस्त तक रहेगा मत्स्याखेट पर प्रतिबंध, उल्लंघन पर 25 हजार रुपये तक जुर्माना

विभाग ने स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई

नारायणपुर। वर्षा ऋतु में मछलियों के प्रजनन एवं वंश वृद्धि को संरक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा 16 जून 2026 से 15 अगस्त 2026 तक बंद ऋतु (क्लोज सीजन) घोषित किया गया है। छत्तीसगढ़ नदीय मत्स्योद्योग अधिनियम-1972 की धारा 3 उपधारा 2 के तहत इस अवधि में प्रदेश के अधिकांश जल संसाधनों में मत्स्याखेट (मछली पकड़ना) पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। प्रदेश के सभी नदी, नाले, जलाशय एवं अन्य प्राकृतिक जल स्रोतों में 16 जून से 15 अगस्त तक किसी भी प्रकार का मत्स्याखेट नहीं किया जा सकेगा। यह प्रतिबंध मछलियों के प्रजनन काल के दौरान उनके संरक्षण एवं मत्स्य संपदा के संवर्धन के उद्देश्य से लगाया गया है। हालांकि यह नियम उन छोटे तालाबों एवं जल स्रोतों पर लागू नहीं होगा जिनका संबंध किसी नदी या नाले से नहीं है। इसके अलावा जलाशयों में संचालित केज कल्चर गतिविधियों को भी इस प्रतिबंध से मुक्त रखा गया है। मत्स्य विभाग ने आमजन एवं मछुआरा समुदाय से बंद ऋतु के दौरान नियमों का पालन करने की अपील की है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। छत्तीसगढ़ जन विश्वास (प्रावधानों का संशोधन) (द्वितीय) अधिनियम, 2025 के तहत छत्तीसगढ़ मत्स्य क्षेत्र अधिनियम 1948 की धारा 5 के अनुसार उल्लंघन करने पर 25 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। मत्स्य विभाग का कहना है कि बंद ऋतु के दौरान मत्स्याखेट पर रोक लगाने से मछलियों के प्राकृतिक प्रजनन को बढ़ावा मिलेगा, जिससे भविष्य में मत्स्य उत्पादन में वृद्धि होगी और मछुआरा समुदाय को दीर्घकालिक लाभ प्राप्त होगा। विभाग ने

पं.विद्याचरण शुक्ल की पुण्यतिथि पर कांग्रेसियों ने दी श्रद्धांजलि

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ कांग्रेस नेता, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं प्रदेश के विकास पुरुष के रूप में पहचान रखने वाले स्वर्गीय पंडित विद्याचरण शुक्ल की पुण्यतिथि पर जिला मुख्यालय कोंडागांव में कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित जनों ने उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके योगदान को स्मरण किया तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि स्वर्गीय विद्याचरण शुक्ल ने अपना संपूर्ण जीवन जनसेवा, लोकतांत्रिक मूल्यों और प्रदेश के विकास के लिए समर्पित किया। वे छत्तीसगढ़ की राजनीति के ऐसे व्यक्तित्व थे जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई और प्रदेश को विकास की नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके कार्यों और विचारों से आज भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं को प्रेरणा मिलती है।श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पंडित विद्याचरण शुक्ल ने ग्रामीण विकास, शिक्षा, संचार एवं आधारभूत संरचनाओं के विस्तार के लिए उल्लेखनीय कार्य किए। उनका राजनीतिक जीवन संघर्ष, समर्पण और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक रहा है। उन्होंने सदैव समाज के कमजोर और वंचित वर्गों की आवाज़ को बुलंद किया। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने वर्ष 2013 में हुए नक्सली हमले में उनकी शहादत को याद करते हुए कहा कि लोकतंत्र और जनसेवा के प्रति उनकी निष्ठा सदैव स्मरणीय रहेगी। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बना रहेगा। इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई एवं कांग्रेस सेवादल के कार्यकर्ताओं सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे। सभी ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रितेश पटेल जिला महामंत्री,जिला उपाध्यक्ष तरुण गोलछा,प्रदेश सचिव सकुर खान,शहर अध्यक्ष नरेंद्र देवांगन,ब्लॉक अध्यक्ष संजय करन,उपाध्यक्ष कमलेश दुबे,महामंत्री सनी चोपड़ा,महिला कांग्रेस प्रदेश सचिव तबस्सुम बानो, महिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष तबस्सुम बानो, महिला कांग्रेस नेत्री नीलू देवांगन,लेखनी प्रधान, रंजीता अग्रवाल,युवा नेता हितेश ढीमर, डीके नायक, गोलू पटेल सहित कांग्रेस पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पत्रकारों की सुरक्षा एवं निष्पक्ष कार्रवाई की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

कोण्डागांव। जिले के विभिन्न समाचार पत्रों, इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया संस्थानों से जुड़े पत्रकारों एवं मीडिया कर्मियों ने महामहिम राष्ट्रपति, राज्यपाल तथा मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कोंडागांव को सौंपकर पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा उनके प्रति निष्पक्ष प्रशासनिक व्यवहार की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि जिले के पत्रकार शासन-प्रशासन की योजनाओं, विकास कार्यों एवं जनहित से जुड़े विषयों को जनता तक पहुंचाने के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक, आर्थिक एवं प्रशासनिक मुद्दों पर भी समाचारों का प्रकाशन करते हैं। पत्रकारों का कहना है कि वे अवैध गतिविधियों, जनसमस्याओं, पर्यावरणीय मुद्दों, भ्रष्टाचार संबंधी शिकायतों तथा अन्य सार्वजनिक हित के मामलों को भी समाचार माध्यमों के जरिए सामने लाने का कार्य करते हैं। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि कई बार जनहित से जुड़े मामलों में शिकायतों और आवेदनों पर कार्रवाई में विलंब देखने को मिलता है, जबकि पत्रकारों के विरुद्ध प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई किए जाने की धारणा मीडिया कर्मियों के बीच बनी हुई है। पत्रकारों ने इस स्थिति को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए निष्पक्ष एवं समान व्यवहार की अपेक्षा जताई है। पत्रकारों ने हाल ही में सामने आए एक घटनाक्रम का भी उल्लेख किया है। उनके अनुसार समाचार संकलन के दौरान एक पत्रकार के साथ प्रशासनिक स्तर पर की गई कार्रवाई से पत्रकार समुदाय में असंतोष व्याप्त है। पत्रकारों ने मामले की निष्पक्ष जांच कराए जाने तथा भविष्य में मीडिया कर्मियों के साथ सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित किए जाने की मांग की है। ज्ञापन के माध्यम से पत्रकारों ने शासन एवं प्रशासन से अनुरोध किया है कि प्रेस की स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एवं पत्रकारों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएं, ताकि मीडिया कर्मी निर्भीक एवं निष्पक्ष रूप से अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकें। ज्ञापन सौंपने के दौरान वरिष्ठ पत्रकार शैलेश शुक्ला, पूनम मानिकपुरी , विजय साहू, संजय सोनपिपरे,गिरीश जोशी, मनोज शर्मा, रितेश पटेल सहित अन्य पत्रकार उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना बनी वरदान: छबीला यालम को मिला सम्मानजनक विवाह और आत्मनिर्भरता का संबल

बीजापुर। जिला बीजापुर के भोपालपटनम परियोजना अंतर्गत ग्राम मेट्टुपल्ली की बेटी छबीला यालम के जीवन में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना ने नई उम्मीद और आत्मविश्वास का संचार किया है। आर्थिक रूप से साधारण किसान परिवार से संबंध रखने वाली छबीला के लिए यह योजना न केवल सम्मानजनक विवाह का माध्यम बनी, बल्कि आत्मनिर्भर भविष्य की मजबूत नींव भी साबित हुई।

आर्थिक तंगी के बीच बेटी के विवाह की चिंता: छबीला के पिता बाबू यालम एवं माता सरिता यालम अपनी बेटी को पढ़ा-लिखाकर आत्मनिर्भर बनाना चाहते थे। लेकिन जैसे-जैसे विवाह का समय नजदीक आया, सीमित आय के कारण विवाह के खर्चों को लेकर परिवार चिंतित रहने लगा। सामाजिक रीति-रिवाजों, भोज और अन्य व्यवस्थाओं का खर्च परिवार की क्षमता से बाहर प्रतीत हो रहा था।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने दिखाई राह

इसी दौरान क्षेत्र की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शकुंतला मड़ी ने परिवार को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 10 फरवरी 2026 को बीजापुर में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में शामिल होकर योजना का लाभ प्राप्त किया जा सकता है। जानकारी मिलते ही परिवार ने 25 जनवरी 2026 को आवेदन कर दिया।

सामूहिक विवाह में संपन्न हुआ गरिमामय विवाह

योजना के तहत ग्राम मेट्टुपल्ली निवासी पवन वासम के साथ छबीला यालम का विवाह 10 फरवरी 2026 को बीजापुर में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में पूर्ण हिंदू रीति-रिवाज और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुआ। समारोह में वर-वधू और उनके परिवारों का सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया तथा विवाह की सभी आवश्यक व्यवस्थाएं शासन द्वारा सुनिश्चित की गई।

50 हजार की सहायता बनी आत्मनिर्भरता की राह

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत छबीला को कुल 50,000 की सहायता प्राप्त हुई, जिसमें 15,000 मूल्य की उपहार सामग्री एवं आयोजन व्यय तथा 35,000 की आर्थिक सहायता सीधे बैंक खाते में प्रदान की गई। छबीला ने इस राशि का सदुपयोग करते हुए सिलाई मशीन खरीदी और स्वरोजगार की शुरुआत की। आज वे सिलाई कार्य के माध्यम से स्वयं आय अर्जित कर रही हैं। कुछ राशि स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं पर खर्च करने के बाद शेष धनराशि को उन्होंने भविष्य की सुरक्षा के लिए बैंक में जमा कर रखा है।

सामाजिक समरसता और सशक्तिकरण का उदाहरण

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक सुधार का भी प्रभावी माध्यम बन रही है। सामूहिक विवाह से अनावश्यक खर्च और दहेज जैसी कुरीतियों पर अंकुश लग रहा है, वहीं विभिन्न समुदायों और परिवारों के बीच सामाजिक समरसता एवं भाईचारे को भी बढ़ावा मिल रहा है।

बेटी के सपनों को मिले नए पंख

आज छबीला यालम आत्मसम्मान और आत्मविश्वास के साथ अपने नव-वैवाहिक जीवन की शुरुआत कर चुकी हैं। स्वरोजगार के माध्यम से वे आर्थिक रूप से सशक्त बनने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना ने उनके परिवार की वर्षों पुरानी चिंता को दूर कर एक सुरक्षित, सम्मानजनक और उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त किया है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना ने छबीला यालम के जीवन में खुशियों की नई शुरुआत की है, जहां सम्मानजनक विवाह के साथ आत्मनिर्भरता का सपना भी साकार हो रहा है।

संक्षिप्त समाचार

एसईसीएल की ठेका कंपनी केसीसीएल के खिलाफ श्रमिकों का आंदोलन

कोरबा। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के दीपका कोयलांचल क्षेत्र में कार्यरत ठेका कंपनी ''कलिंगा कमर्शियल कॉर्पोरेशन लिमिटेड(केसीसीएल) के खिलाफश्रमिकों का आक्रोश चरम पर पहुंच गया है। कंपनी द्वारा श्रम नियमों के उल्लंघन और खुले शोषण से तंग आकर बुधवार को समस्त पीड़ित श्रमिकों ने अर्धनग्न होकर एसईसीएल दीपका क्षेत्र के महाप्रबंधक कार्यालय तक मार्च किया और अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस गतिरोध को सुलझाने के लिए बुधवार को केसीसीएल प्रबंधन द्वारा एक बैठक बुलाई गई थी। दुर्भाग्यवश, इस बैठक में प्रबंधन की ओर से कोई ठोस निर्णय या सकारात्मक आश्वासन नहीं मिला, जिससे वार्ता पूरी तरह बेनतीजा रही। प्रबंधन के इस अड़ियल रवैये से नाराज होकर श्रमिकों ने अब आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। श्रमिकों ने स्पष्ट कर दिया है कि इस अनिश्चितकालीन आंदोलन के दौरान होने वाले किसी भी प्रकार के अप्रिय घटनाक्रम, कानून-व्यवस्था की स्थिति या आर्थिक नुकसान की समस्त नैतिक और वैधानिक जिम्मेदारी शासन-प्रशासन, एसईसीएल प्रबंधन और मुख्य रूप से कलिंगा कमर्शियल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की होगी। इस आंदोलन और ज्ञापन सौंपने के दौरान बड़ी संख्या में कलिंगा कंपनी के माइनिंग स्टाफ सुपरवाइजर, मैकेनिक और हेल्पर्स एकजुट होकर उपस्थित रहे। एचपीसी दरों का उल्लंघन- श्रमिकों का आरोप है कि कंपनी हाई पावर कमेटी द्वारा निर्धारित दरों के तहत भुगतान न करके सीधे तौर पर मजदूरों के हक का पैसा मार रही है। श्रम नियमों की अनदेखी- दीपका क्षेत्र में कार्यरत माइनिंग सुपरवाइजर, मैकेनिक और हेल्पर्स को कोल इंडिया के नियमों के तहत तय वैधानिक मजदूरी दर नहीं दी जा रही है, जो अनुबंध की शर्तों का गंभीर उल्लंघन है। श्रमिकों ने एसईसीएल और केसीसीएल प्रबंधन को अपनी मांगों के शांतिपूर्ण निराकरण के लिए 05 दिनों 13 जून तक का अल्टीमेटम दिया गया है। यदि इस समयावधि के भीतर जायज मांगों को पूरा नहीं किया गया, तो 14 जून से कलिंगा कंपनी का कार्य पूर्णत: ठप कर दिया जाएगा। खदान क्षेत्र के चांदनी चैक एवं केसीसी कैंप गेट पर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जाएगी। मांगें पूरी न होने की स्थिति में मजदूर पूर्ण रूप से नग्न होकर उग्र प्रदर्शन करने के लिए विवश होंगे।

कोरबा पुलिस की बड़ी कार्रवाईः एशियन ट्रेडर्स में चोरी का खुलासा

कोरबा। कोरबा पुलिस ने सजग कोरबा, सतर्क कोरबा अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए एशियन ट्रेडर्स में हुई चोरी की वारदात का खुलासा कर दिया है। इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब 2.50 लाख मूल्य का चोरी गया सामान शत-प्रतिशत बरामद किया गया है। मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि 9 जून 2026 को पावर हाउस रोड निवासी विमल जाजोदिया ने थाना कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी दुकान एशियन ट्रेडर्स में अज्ञात चोरों ने पीछे से प्रवेश कर डायनेक्स कंपनी का इन्वर्टर, बिरला ओपस पेंट के डिब्बे, बॉश कंपनी की ड्रिल मशीन और ब्रेकर मशीन सहित अन्य सामान चोरी कर लिया। रिपोर्ट के आधार पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 507ध्2026 धारा 331(4), 305 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लखन पटले और नगर पुलिस अधीक्षक प्रतीक चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में टीम गठित कर कार्रवाई की गई। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने लक्ष्मणबन तालाब क्षेत्र के निवासी मनीष यादव (19) और प्रकाश चैहान (19) को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में दोनों ने चोरी की वारदात स्वीकार कर ली, जिसके बाद उनके कब्जे से चोरी गया पूरा सामान बरामद कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से लगभग 2.50 लाख मूल्य का मशरूका बरामद किया है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

कौशिल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तुलसीनगर कोरबा की मान्यता निरस्त

कोरबा। जिला शिक्षा अधिकारी, कोरबा एवं छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल, रायपुर द्वारा जारी आधिकारिक पत्रों के अनुसार तुलसीनगर, कोरबा स्थित कौशिल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (स्कूल कोड 332029) के विरुद्ध गंभीर प्रशासनिक अनियमितताओं के चलते विभागीय कार्रवाई की गई है। उपलब्ध अभिलेखों एवं जांच प्रतिवेदनों के आधार पर विद्यालय की विभागीय अनुमति समाप्त कर दी गयी है। जिला शिक्षा अधिकारी, कोरबा द्वारा जारी पत्र में उल्लेख किया गया है कि विद्यालय प्रबंधन से संस्था की मान्यता, भूमि स्वामित्व एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों की मांग कई बार की गई, किन्तु विद्यालय प्रबंधन द्वारा निर्धारित समयावधि में आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत नहीं किए गए। विभागीय जांच के दौरान यह भी पाया गया कि संस्था द्वारा मान्यता से संबंधित आवश्यक शर्तों का समुचित पालन नहीं किया जा रहा था। माध्यमिक शिक्षा मंडल, रायपुर की आपत्तियाँ छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल, रायपुर द्वारा जिलाशिक्षा अधिकारी को प्रेषित पत्र में कहा गया है।

अवैध पार्किंग, अनधिकृत ढाबों और दुर्घटना के कारणों पर सख्ती के निर्देश

सड़क सुरक्षा में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त-कलेक्टर

■ सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कलेक्टर एवं एसएसपी ने की विस्तृत समीक्षा

बिलासपुर। जिले में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण तथा नागरिकों के सुरक्षित आवागमन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर संजय अग्रवाल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह ने आज जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक लेकर सड़क सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में राष्ट्रीय राजमार्गों, राज्य मार्गों एवं ग्रामीण सड़कों पर दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों, सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के पालन तथा विभिन्न विभागों की जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि सड़क सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है तथा इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों से अवगत कराते हुए कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर अवैध रूप से खड़े ट्रक एवं भारी वाहन दुर्घटनाओं का बड़ा कारण हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने भी इसे नागरिकों के जीवन के अधिकार से जुड़ा गंभीर विषय माना है। उन्होंने निर्देश दिए कि वाहन केवल निर्धारित पार्किंग स्थलों एवं ले-बाय में ही खड़े किए जाएं। प्रारंभिक स्तर पर वाहन मालिकों एवं चालकों को चेतावनी देकर मोहलत दी जाए, इसके बाद नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने कहा कि सड़क किनारे संचालित कई ढाबों एवं होटलों के कारण अवैध पार्किंग की समस्या उत्पन्न होती है। ऐसे प्रतिष्ठानों को स्वयं पार्किंग की समुचित व्यवस्था करनी होगी। आवश्यकता होने पर निजी भूमि मालिकों की सहमति से पार्किंग विकसित की जा सकती है। उन्होंने सड़क किनारे उपलब्ध शासकीय भूमि का भी सर्वे कर पार्किंग के लिए चिन्हांकन करने के निर्देश दिए। साथ ही पार्किंग स्थलों पर मार्गदर्शन हेतु कर्मियों की व्यवस्था करने को कहा। बरसात के मौसम को देखते हुए कलेक्टर ने सड़कों पर घूमने अथवा बैठने वाले मवेशियों के प्रभावी प्रबंधन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु में मवेशियों के कारण दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। इसके लिए गोधन आश्रय स्थलों, गौठानों एवं गोधामों को अभी से तैयार रखा जाए। वहां साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था एवं चारे-पानी की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पेट्रोलिंग दलों एवं फ्लाइंग स्क्वॉड को नियमित निगरानी करने तथा अवैध रूप से संचालित ढाबों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश भी दिए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह ने कहा कि सड़क सुरक्षा के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय के सभी निर्देशों का जिले में कड़ाई से पालन कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस वर्ष सड़क दुर्घटनाओं में कमी दर्ज की गई है, फिर भी सुधार की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं। पिछले छह माह के दौरान जिले में सड़क दुर्घटनाओं से 151 लोगों की मृत्यु हुई है। रतनपुर, तखतपुर एवं मस्तूरी थाना क्षेत्रों में सर्वाधिक दुर्घटनाएं और मौतें दर्ज की गई हैं। उन्होंने थाना-वार दुर्घटनाओं की समीक्षा करते हुए उनके प्रमुख कारणों का विश्लेषण किया तथा संबंधित विभागों को आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए।

एनईआई ऑडिटोरियम में नई श्रम संहिताओं एवं नियमों पर कार्यशाला का आयोजन किया

■ टेंडर एवं संविदा कार्यों से जुड़े अधिकारियों/कर्मचारियों एवं ठेकेदारों को दी गई श्रम कानूनों की अद्यतन जानकारी

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय एवं बिलासपुर मंडल के संयुक्त तत्वावधान में बिलासपुर स्थित एनईआई ऑडिटोरियम में नई श्रम संहिताओं एवं नियमों पर विभिन्न विभागों के टेंडर एवं संविदा कार्यों से जुड़े अधिकारियों/एवं ठेकेदारों के लिए कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य श्रम कानूनों में हुए नवीनतम प्रावधानों, नियमों तथा अनुपालन संबंधी आवश्यकताओं की विस्तृत जानकारी प्रदान करना था, जिससे श्रमिकों के हितों की सुरक्षा एवं कार्यस्थलों पर विधिसम्मत व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके। कार्यशाला में भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के क्षेत्रीय श्रम आयुक्त (केंद्रीय), बिलासपुर श्री प्रवीण कुमार तथा श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केंद्रीय), बिलासपुर श्री अभिषेक सिंह चौहान ने विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भाग लिया। उन्होंने नई श्रम संहिताओं के विभिन्न प्रावधानों, ठेका श्रमिकों से संबंधित नियमों, सामाजिक सुरक्षा, वेतन भुगतान, औद्योगिक संबंधों तथा व्यावसायिक सुरक्षा एवं कार्यस्थल स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी को श्रम कानूनों के प्रभावी अनुपालन, रिकॉर्ड संधारण, श्रमिक कल्याण उपायों तथा नियामकीय आवश्यकताओं के संबंध में व्यावहारिक मार्गदर्शन भी दिया गया। विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की तथा श्रम कानूनों के पालन में पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने पर बल दिया।

बिलासपुर मंडल में नाका टिकट चेकिंग अभियान जारी

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल द्वारा यात्रियों को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं बेहतर यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने तथा वैध टिकट लेकर यात्रा करने की संस्कृति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दिनांक 21 मई से 14 जून 2026 तक विशेष नाका टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के साथ-साथ रेलवे राजस्व में वृद्धि एवं अधिकृत टिकटधारी यात्रियों को बेहतर यात्रा वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस अभियान के तहत दिनांक 11 जून 2026 को वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह के मार्गदर्शन तथा मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री एस. भारतीयन, सहायक वाणिज्य प्रबंधक श्री डी एस चौहान के नेतृत्व में बिलासपुर स्टेशन में नाका टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। जिसमें वाणिज्य निरीक्षक, मुख्य टिकट निरीक्षक, टीटीई एवं आरपीएफ स्टाफभी शामिल थे। इस विशेष जांच अभियान के दौरान बिलासपुर स्टेशन एवं यहाँ से गुजरने वाली 20 ट्रेनों की सघन जांच कर कुल 644 मामलों से कुल 4,13,970 रुपये का जुर्माना वसूला गया। जिसमें बिना टिकट यात्रा के 380 मामलों से 02 लाख 87 हजार 515 रुपये, अनियमित टिकट के 245 मामलों से 01 लाख 24 हजार 555 रुपये तथा बिना बुक किए गए लगेज के 19 मामलों से 01 हजार 900 रुपये जुर्माना शामिल है रेल प्रशासन यात्रियों से अपील करता है कि वे यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व उचित यात्रा टिकट अवश्य लें तथा स्टेशन परिसर में प्रवेश हेतु प्लेटफॉर्म टिकट खरीदें।

प्रतिभा,अभिव्यक्ति एवं आत्मविश्वास का उत्सव 'एसईसीएल नारी राग-रंग महोत्सव 2026' का भव्य शुभारंभ किया गया

■ नारी राग-रंग महोत्सव महिलाओं के भीतर छिपी प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें नई पहचान दिलाने का सशक्त मंच है — श्रीमती शशि दुहन

बिलासपुर। एसईसीएल श्रद्धा महिला मंडल तत्वावधान में आयोजित नारी राग-रंग महोत्सव 2026 का आज एसईसीएल मुख्यालय, बिलासपुर में उत्साह एवं गरिमामय वातावरण के बीच शुभारंभ हुआ। महिलाओं की प्रतिभा, रचनात्मकता, अभिव्यक्ति एवं आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित इस दो दिवसीय महोत्सव में बड़ी संख्या में महिला प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रद्धा महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती शशि दुहन एवं उपाध्यक्षागण श्रीमती अनीता फ्रैंकलिन, श्रीमती इप्सिता दास, श्रीमती हसीना कुमार तथा श्रीमती शुभश्री महापात्र द्वारा दीप प्रवलन के साथ किया गया। इस अवसर पर श्रद्धा महिला मंडल की कार्यकारिणी सदस्याएँ, कर्मचारीगण एवं उनके परिजन भी उपस्थित रहे। अपने संबोधन में श्रीमती शशि दुहन ने कहा कि नारी राग-रंग महोत्सव महिलाओं को अपनी प्रतिभा और सृजनात्मकता प्रदर्शित करने का सशक्त मंच प्रदान करने की पहल है। ऐसे आयोजन महिलाओं के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें नई प्रेरणा एवं सीख प्राप्त करने का अवसर भी देते हैं। महोत्सव के प्रथम दिवस पर गीत गायन, एकल नृत्य, मोनो एक्ट, चित्रकला, रंगोली, मेहंदी एवं वेस्ट मटेरियल आर्ट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने अपनी कलात्मक अभिव्यक्ति, मंचीय कौशल एवं रचनात्मकता का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का मन मोह लिया। गीत गायन एवं एकल नृत्य प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने प्रभावशाली प्रस्तुतियाँ दीं, वहीं मोनो एक्ट प्रतियोगिता में अभिनय एवं अभिव्यक्ति कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन देखने को मिला। चित्रकला, रंगोली एवं मेहंदी प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों की सृजनात्मकता के विविध रंग उभरकर सामने आए। वेस्ट मटेरियल आर्ट प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अनुपयोगी सामग्रियों से आकर्षक एवं उपयोगी कलाकृतियाँ तैयार कर पर्यावरण संरक्षण एवं संसाधनों के पुनः उपयोग का संदेश दिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण मूल्यांकन हेतु संगीत, नृत्य एवं ललित कला क्षेत्रों के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों को निर्णायक के रूप में आमंत्रित किया गया था।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए बिलासपुर में व्यापक तैयारियां

■ 14 जून को ऑनलाइन योग सत्र एवं 21 जून को होंगे सामूहिक आयोजन

बिलासपुर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के सफल आयोजन हेतु जिला प्रशासन बिलासपुर द्वारा व्यापक तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा इस वर्ष की थीम स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग निर्धारित की गई है। इसी क्रम में जिले के सभी शासकीय विभागों, शैक्षणिक संस्थानों, स्थानीय निकायों एवं सामाजिक संगठनों से अधिकाधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया है। इस वर्ष की थीम स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली में योग की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करती है। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने जिले वासियों से अपील करते हुए कहा है कि योग केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन का आधार है। उन्होंने सभी विभागों, संस्थाओं, विद्यार्थियों, कर्मचारियों एवं आम नागरिकों से योग दिवस के आयोजनों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।आयुष मंत्रालय के निर्देशानुसार 14 जून 2026 को प्रातः 6:15 बजे से 7:35 बजे तक ऑनलाइन योग सत्र आयोजित किया जाएगा, जिसमें अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस कार्यक्रम के माध्यम से बड़े स्तर पर जनभागीदारी के साथ विश्व रिकॉर्ड स्थापित करने का प्रयास भी किया जाएगा।योग सत्र में भाग लेने के इच्छुक नागरिक टोल-फ्री नंबर 1800-315-7008 पर मिस्ड कॉल देकर अपना पंजीयन करा सकते हैं। जिला प्रशासन ने सभी विभागों एवं संस्थाओं से इस संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा अधिकाधिक लोगों को जोड़ने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा 21 जून 2026 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिलेभर में सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिले का मुख्य कार्यक्रम बहतराई स्थित खेल स्टेडियम में होगा। आयुष मंत्रालय द्वारा विकसित योग संगम पोर्टल पर शासकीय, अशासकीय, शैक्षणिक एवं सामाजिक संस्थाएं अपने आयोजनों का पंजीयन कर सकते हैं तथा कार्यक्रम उपरांत विवरण एवं फोटोग्राफ भी अपलोड कर सकते हैं। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन को जनआंदोलन का स्वरूप देने के लिए सभी संस्थाएं और नागरिक मिलकर कार्य करें, ताकि बिलासपुर जिले की सहभागिता राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर एक उदाहरण बन सके। 14 जून के ऑनलाइन योग सत्र से लेकर 21 जून के मुख्य कार्यक्रम तक योग के प्रति जागरूकता और सहभागिता बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा।

एक परिवार:एक संकल्प के साथ संपन्न हुआ अंतरराष्ट्रीय समपार जागरूकता सप्ताह

■ 74 समपार फाटकों वाले बिलासपुर मंडल में सात दिनों तक चला व्यापक जनजागरूकता अभियान

■ 16 हजार से अधिक विद्यार्थियों एवं नागरिकों ने ली सुरक्षा शपथ, 54 से अधिक गांवों में 8600 से अधिक ग्रामीणों से हुआ जनसंवाद

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल द्वारा अंतरराष्ट्रीय समपार जागरूकता सप्ताह-2026 के अंतर्गत आयोजित सात दिवसीय विशेष जनजागरूकता अभियान का आज सफलतापूर्वक समापन हो गया। सप्ताह के अंतिम दिन एक परिवार : एक संकल्प थीम के अंतर्गत सैकड़ों परिवारों को समपार सुरक्षा, रेल लाइन सुरक्षा एवं सुरक्षित रेल संचालन के प्रति सामूहिक संकल्प दिलाया गया। मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन के निर्देशन एवं वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी श्री साकेत रंजन के नेतृत्व में संचालित इस अभियान का उद्देश्य बिलासपुर मंडल के अंतर्गत स्थित 74 समपार फाटकों पर सुरक्षित व्यवहार को बढ़ावा देना तथा नागरिकों में रेलवे संरक्षा के प्रति जागरूकता विकसित करना था। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय समपार जागरूकता सप्ताह को बिलासपुर मंडल द्वारा अभिनव एवं थीम आधारित स्वरूप में आयोजित किया गया। अभियान का शुभारंभ समपार सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रमों से हुआ, जबकि सप्ताह के दौरान मानव श्रृंखला, सुरक्षा शपथ, ग्राम संपर्क एवं जनसंवाद, 60 सेकंड ऑफ साइलेंस, एक सेल्फी : सुरक्षा के नाम तथा एक परिवार : एक संकल्प जैसी जनभागीदारी आधारित गतिविधियों के माध्यम से रेलवे सुरक्षा के संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाया गया। अभियान के दौरान बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, सक्ती, रायगढ़, कोरबा, सुंदरगढ़, पेंड्रा-मरवाही, कोरिया-मनेन्द्रगढ़-भरतपुर, सूरजपुर, बलरामपुर, अंबिकापुर, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया एवं कटनी जिलों के 42 विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विभिन्न संस्थाओं में लगभग 16,000 विद्यार्थियों एवं नागरिकों को समपार सुरक्षा की शपथ दिलाई गई। वहीं, 54 से अधिक गांवों एवं बस्तियों में आयोजित जनसंवाद एवं ग्राम संपर्क कार्यक्रमों के माध्यम से 8600 से अधिक ग्रामीण नागरिकों तक रेलवे संरक्षा का संदेश पहुंचाया गया। ग्रामीणों को समपार फाटक पार करने के सुरक्षित तरीके, रेल लाइन के समीप सतर्कता, बच्चों एवं पशुधन की सुरक्षा तथा रेलवे ट्रैक के आसपास असुरक्षित गतिविधियों से बचने के संबंध में जागरूक किया गया। साथ ही नागरिकों को यह संदेश दिया गया कि कुछ क्षणों का धैर्य एवं सावधानी अनेक अनमोल जीवन बचा सकती है। विशेष रूप से एक सेल्फी : सुरक्षा के नाम तथा एक परिवार : एक संकल्प जैसी अभिनव पहलों को नागरिकों का व्यापक समर्थन प्राप्त हुआ। इन कार्यक्रमों ने रेलवे संरक्षा संदेश को केवल जागरूकता अभियान तक सीमित न रखकर जनआंदोलन का स्वरूप प्रदान किया। अभियान के दौरान रेलवे सुरक्षा बल, परिचालन, इंजीनियरिंग, सिग्नल एवं दूरसंचार, विद्युत तथा संरक्षा विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। भारत स्काउट एवं गाइड, शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों, ग्राम पंचायतों एवं स्थानीय नागरिकों का भी उल्लेखनीय सहयोग प्राप्त हुआ। बिलासपुर मंडल का मानना है कि समपार दुर्घटनाओं की रोकथाम केवल रेलवे की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की साझी जिम्मेदारी है। सप्ताह भर प्राप्त जनसहभागिता ने यह सिद्ध किया है कि जागरूकता एवं सामुदायिक सहयोग के माध्यम से सुरक्षित रेल संचालन के लक्ष्य को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सकता है।

अधिकमास की शिवरात्रि पर भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा

वैसे तो हर महीने की शिवरात्रि को खास माना जाता है। लेकिन ज्येष्ठ अधिकमास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को सबसे शुभ माना गया है। दरअसल, अधिकमास लगभग 3 वर्ष में एक बार आता है, इसलिए इस दौरान पड़ने वाले व्रतों को अधिक महत्वपूर्ण और कई गुना फल प्रदान करने वाला माना जाता है। यही कारण है कि, इस मासिक शिवरात्रि पर शिवलिंग पर जलाभिषेक करने से भगवान भोलेनाथ शीघ्र प्रसन्न होते हैं। 2026 में अधिकमास की मासिक शिवरात्रि 13 जून, शनिवार को मनाई जा रही है। इस दिन भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा और अभिषेक करने से साधक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। आइए इस दिन की संपूर्ण पूजा विधि को जानते हैं।

अधिकमास शिवरात्रि पूजा विधि

- ✓अधिक मास मासिक शिवरात्रि पर शिवलिंग पर गंगाजल और जल चढ़ाएं।
- ✓अब जल, दूध, शक्कर, दही और शहद से शिवलिंग पर अभिषेक करें।
- ✓महादेव को बेलपत्र चढ़ाएं और पुष्पमाला अर्पित करें।
- ✓इस दौरान 5 प्रकार के अनाज भी चढ़ाएं और सफेद मिठाई का भोग भी लगाएं।
- ✓महादेव पर चंदन लगाएं और नंदी जी को भी लगा दें।
- ✓अब घी का दीपक जलाकर "ॐ नमः शिवाय" मंत्र का जाप करें।
- ✓शिवरात्रि व्रत कथा का पाठ करें और महादेव के भजन गाएं।
- ✓अंत में भगवान शिव की आरती करें और फल अर्पित करें।
- ✓इन फलों को बाद में प्रसाद के रूप में बांट दें।

अधिकमास शिवरात्रि 2026

पंचांग के मुताबिक, कृष्ण पक्ष चतुर्दशी तिथि का प्रारंभ: 13 जून 2026, शाम 4:07 बजे होगा।
चतुर्दशी तिथि समाप्त: 14 जून 2026, दोपहर 12:19 पर होगी।
मासिक शिवरात्रि 13 जून, शनिवार को मान्य रहेगी।
ब्रह्म मुहूर्त: प्रातः 4:02 बजे से 4:43 बजे तक
अभिजीत मुहूर्त: सुबह 11:53 बजे से दोपहर 12:49 बजे तक

घर से निकलते इन चीजों का दिखना देता है शुभ संकेत...

हिंदू धर्म में वास्तु शास्त्र को एक महत्वपूर्ण स्थान दिया जाता है। प्राचीन काल से ही यह मान्यता रही है कि यदि घर की बनावट, वस्तुओं की व्यवस्था और हमारी दिनचर्या वास्तु के अनुरूप हो, तो जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार बना रहता है। यह ऊर्जा हमारे मन को सुकून देने के साथ हमारे काम, व्यवसाय और रिश्तों पर भी अच्छा असर डालती है। यही कारण है कि आज भी लोग किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत से पहले वास्तु से जुड़े संकेतों पर ध्यान देते हैं। आइए जानते हैं कुछ ऐसे संकेतों के बारे में, जिन्हें शुभ माना जाता है। हमारे दिन की शुरुआत का प्रभाव पूरे दिन पर पड़ता है। खासकर जब हम घर से बाहर निकलते हैं, उस समय दिखने वाली कुछ चीजें हमारे लिए शुभ संकेत मानी जाती हैं। ये संकेत इस बात की ओर इशारा करते हैं कि आने वाला समय कैसा रहेगा। यदि ये सकारात्मक संकेत दिखाई दें, तो माना जाता है कि दिन सफलता और अच्छे परिणामों से भरा रहेगा।

गाय बछड़े को दूध पिलाते दिखना शुभ

मान्यताओं के अनुसार अगर आप घर से निकलते वक्त किसी गाय को अपने बछड़े को दूध पिलाते हुए देख लें, तो इसे बहुत ही शुभ संकेत माना जाता है। यह सुख, शांति और समृद्धि का प्रतीक होता है और यह भी दर्शाता है कि जिस काम के लिए आप जा रहे हैं, उसमें सफलता मिलने की संभावना है।

महिला को घड़े में पानी ले जाते देखना

यदि कोई महिला घड़े में पानी लेकर जाती हुई नजर आए, तो इसे भी शुभ माना जाता है। यह दृश्य घर में खुशहाली और बरकत आने का प्रतीक होता है। मान्यता है कि इससे कामों में आ रही रुकावटें दूर होती हैं और कार्य आसानी से पूरे होते हैं, खासकर नौकरी या व्यापार से जुड़े कामों में।

ब्राह्मण को पुस्तक के साथ देखना

यदि किसी ब्राह्मण को पूजा-पाठ के लिए जाते हुए और उनके हाथ में धार्मिक पुस्तक दिखाई दे, तो इसे बेहद सकारात्मक संकेत माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इससे अधूरे कार्य पूरे होने के योग बनते हैं और दिन अच्छा रहता है।

शंख और मछली का दिखना

वास्तु के अनुसार शंख और मछली दोनों ही शुभता के प्रतीक हैं। घर से निकलते समय यदि इनमें से किसी का दर्शन हो जाए, तो इसे लाभदायक संकेत माना जाता है। शंख पवित्रता और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है, वहीं मछली को धन और तरक्की से जोड़ा जाता है। इनके दर्शन से आर्थिक लाभ और प्रगति के संकेत मिलते हैं।

किचन में नहीं रखनी चाहिए ऐसी 5 चीजें

वास्तु शास्त्र में दिशाओं का विशेष महत्व होता है। दिशा के अनुरूप ही हर एक चीज को रखने का खास नियम होते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार आज हम आपको घर के रसोई में रखी चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं। वास्तु के अनुसार, रसोईघर में रखी चीजों का वहां पर रहने वाले लोगों की आर्थिक स्थिति, मानसिक स्थिति, ऊर्जा और सुख-समृद्धि का विशेष महत्व होता है। रसोईघर में कुछ चीजें ऐसी होती हैं जिनसे नेगेटिव एनर्जी ज्यादा आकर्षित होती है जिससे धन हानि, मानसिक परेशानियां और स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में फौरन ही रसोई घर से ऐसी चीजों को तुरंत ही घर से बाहर निकाल देना चाहिए।

पुराने कागजात

वास्तु शास्त्र के अनुसार, कभी भी रसोई घर में किसी भी तरह पुराने, फटे कागजात और दस्तावेज आदि को नहीं रखना चाहिए। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश बना रहता है। इस कारण से भूलकर भी रसोई घर में किसी भी तरह का कोई भी समान आदि नहीं रखना चाहिए।

कूड़े की बाल्टी

कई घरों में रसोई घर में बर्तन धोने की वाली जगहों पर कूड़ेदान को रखा जाता है। वास्तु शास्त्र में इसे शुभ नहीं माना जाता है। दरअसल सिंक जल तत्व से जुड़ा होता है और जल के देवता वरुण देव होते हैं। ऐसे जल तत्व वाले स्थान पर कूड़ेदान रखने से वरुण देव नाराज हो सकते हैं।

साफ-सफाई का सामान

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर पर मंदिर के स्थान के बाद दूसरी सबसे पवित्र जगह किचन का स्थान होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस स्थान पर मां अन्नपूर्णा का वास होता है। ऐसे में किचन में कभी भी साफ-सफाई से संबंधित चीजों को नहीं रखना चाहिए। किचन में कभी भी झाड़ू या पोछा को नहीं रखना चाहिए। इससे मां अन्नपूर्णा नाराज हो जाती है।

दवाईयां

वास्तु शास्त्र के अनुसार, रसोईघर में कभी भी दवाईयां नहीं रखनी चाहिए। रसोईघर में दवाईयों को रखना बहुत ही अशुभ माना जाता है। इससे घर में वास्तु दोष पैदा होता है। इससे घर पर रहने वाले सदस्यों को मानसिक और शारीरिक बीमारियों का सामना करना पड़ता है।

खाली पुराने डिब्बे

कई लोगों की यह आदत होती है रसोई घर में पुराने खाली डिब्बों को रखने की आदत होती है। वास्तु में रसोई घर में मां अन्नपूर्णा देवी का स्थान माना जाता है, ऐसे में खाली डिब्बों से घर में धन-धान्य की कोई भी कमी नहीं होती है।

घर पर बनाएं ट्रेंडी नेल आर्ट डिजाइन्स

सैलून में नेल आर्ट डिजाइन बनवाने जाएंगी, तो हजारों रुपये खर्च करने पड़ेंगे। तो क्यों ना आप घर पर माचिस की तीली की मदद से नेल आर्ट के अट्रैक्टिव पैटर्न बनाएं। यहां कुछ डिजाइन देखिए।

माचिस की तीली से बनाएं नेल आर्ट डिजाइन

नेल आर्ट का ट्रेंड इन दिनों खूब चल रहा है। हर कोई नाखूनों पर सुंदर नेल पॉलिश लगाकर उन्हें कलर्स के साथ सजाना पसंद करता है। सैलून में नेल आर्ट कराने जाएंगे तो हजारों रुपये खर्च हो जाएंगे, तो क्यों ना आप घर पर ही नाखूनों पर डिजाइन बना ले। हम आपके लिए बिल्कुल आसान और ट्रेंडी नेल आर्ट के पैटर्न लेकर आए हैं, जिन्हें आप माचिस की तीली की मदद से बना सकती हैं। ये डिजाइन देखने में अट्रैक्टिव लगेंगे और सिंपल तरीके से आप बना भी लेंगी। तो चलिए कुछ खूबसूरत डिजाइन्स दिखाते हैं।

लाइनिंग नेल आर्ट: ब्लैक कलर की नेल पेंट लगाएं और ऊपर से व्हाइट कलर की लाइन माचिस की तीली से बना लें। बस आपकी सिंपल और ट्रेंडी डिजाइन रेडी हो जाएगी।

ब्लू नेल डिजाइन: हल्के रंग की नेल पॉलिश लगाकर आप ब्लू या किसी और डार्क कलर की नेल पेंट को लगाएं। माचिस की तीली से ये भी आसानी से लग जाएगी।

डॉटेड डिजाइन: ब्राउन कलर की नेल पॉलिश पर ब्लैक नेल डॉटेड नेल पेंट कूल लुक दे रहा है। इसे लगाना भी काफी सिंपल है। ब्राउन पेंट लगाकर तीली की बिना मसाला वाली साइड से डॉट बनाएं। सूख जाने पर ट्रांसपेरेंट पॉलिश लगाएं।

नेल टिप डिजाइन: ट्रेंडी लुक के लिए पूरे नाखून में हल्के रंग वाली पॉलिश लगाएं और टिप पर तीली से डॉट बना लें। पूरे में नेल पॉलिश न लगाएं, तब भी ये टिप वाली डॉटेड डिजाइन अच्छी लगेगी।

डॉट-लाइन नेल आर्ट डिजाइन: डॉट और लाइनिंग वाली नेल आर्ट डिजाइन भी आप माचिस की तीली से बना सकते हैं। इसके लिए आपको कई रंगों की नेल पॉलिश चाहिए होगी। आप ये सेम पैटर्न या फिर अपने हिसाब से कलर से डिजाइन बना सकती हैं।

लीफ नेल आर्ट डिजाइन: नेल आर्ट में आप लीफ वाली डिजाइन भी बना सकते हैं। छोटे-छोटे डॉट्स के साथ इस पैटर्न को बनाएं और छोटे फूल या पत्तियां बना लें। ये पैटर्न भी ट्रेंडी और खूबसूरत लगेगा।

कलरफुल नेल आर्ट: सबसे सिंपल और सुंदर नेल आर्ट डिजाइन बनाना चाहती हैं, तो ये डॉट वाला पैटर्न बनाएं। पांच रंगों वाली नेल पॉलिश अलग-अलग नाखूनों पर लगाएं और सफेद रंग से डॉट बनाएं। तीली से ये आसानी से हो जाएगा।

आज का राशिफल

मेष राशि - यह सप्ताह आपके लिए प्रेम जीवन में उतार-चढ़ाव लेकर आएगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के ग्यारहवें, बारहवें और प्रथम भाव में गोचर करेंगे। सप्ताह की शुरुआत में चंद्रमा ग्यारहवें भाव में रहकर पार्टनर के साथ अच्छा समय बिताने का मौका देंगे। हालांकि, आपकी राशि के प्रथम भाव में बैठे मंगल देव आपके स्वभाव में गुस्सा और आक्रामकता बढ़ाएंगे, जिससे साथी के साथ बेवजह का विवाद हो सकता है।

वृषभ राशि - आपके लिए प्रेम के मामले में बेहद सुखद रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के दसवें, ग्यारहवें और बारहवें भाव में गोचर करेंगे। आपकी राशि के तीसरे भाव से निकलकर शुक्र देव अब चौथे भाव में गुरु के साथ युति बनाएंगे, जो आपके प्रेम संबंधों में गहराई और नयापन लेकर आएगा। सिंगल जातकों के जीवन में किसी खास व्यक्ति की एंट्री हो सकती है। प्रथम भाव में सूर्य देव की उपस्थिति कभी-कभी आपको थोड़ा जिद्दी बना सकती है, जिससे पार्टनर से हल्की नोकझोंक होगी।

मिथुन राशि - चंद्रमा आपकी राशि के नौवें, दसवें और ग्यारहवें भाव में संचरण करेंगे। आपकी राशि के प्रथम भाव में बुध देव मौजूद हैं, जिससे आप अपनी भावनाएं अच्छे से व्यक्त कर पाएंगे। लेकिन शुक्र देव का राशि परिवर्तन कर दूसरे भाव में गुरु के साथ जाना प्रेम संबंधों में थोड़ी दूरी ला सकता है। बारहवें भाव में सूर्य देव की स्थिति के कारण पार्टनर की सेहत को लेकर चिंता बनी रहेगी।

कर्क राशि - वैवाहिक जीवन के लिए अत्यंत शानदार रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के आठवें, नौवें और दसवें भाव में गोचर करेंगे। आपकी राशि के प्रथम भाव में पहले से मौजूद देवगुरु बृहस्पति के साथ अब शुक्र देव की युति होने जा रही है। यह ग्रहों का अद्भुत संयोग आपके आकर्षण को बढ़ाएगा और साथी के दिल में आपके लिए प्यार और सम्मान दोगुना हो जाएगा। ग्यारहवें भाव में सूर्य देव आपसी समझ को और मजबूत करेंगे।

सिंह राशि - चंद्रमा आपकी राशि के सातवें, आठवें और नौवें भाव में गोचर करेंगे। इस सप्ताह शुक्र देव आपकी राशि से बारहवें भाव में गुरु के साथ युति बनाएंगे, जिससे पार्टनर के साथ वैचारिक मतभेद या दूरियां बढ़ सकती हैं। सातवें भाव में राहु देव और प्रथम भाव में केतु देव की स्थिति प्रेम संबंधों में अविश्वास पैदा कर सकती है। दसवें भाव में बैठे सूर्य देव आपके काम की व्यस्तता बढ़ाएंगे, जिससे आप साथी को पर्याप्त समय नहीं दे पाएंगे।

कन्या राशि - आपके लव लाइफ के लिए बेहद खुशनुमा और रोमांटिक रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के छठे, सातवें और आठवें भाव में संचरण करेंगे। इस सप्ताह शुक्र देव का ग्यारहवें भाव में गुरु के साथ युति बनाना आपके प्रेम संबंधों के लिए वरदान साबित होगा। साथी के साथ आपका जुड़ाव और गहरा होगा तथा रोमांस के भरपूर अवसर मिलेंगे। नौवें भाव में सूर्य देव आपके रिश्ते को भाग्य का साथ दिलाएंगे, जिससे आपके प्रेम विवाह की बातें आगे बढ़ सकती हैं।

तुला राशि- आपकी राशि के पांचवें, छठे और सातवें भाव में गोचर करेंगे। पांचवें भाव में राहु देव की उपस्थिति के कारण पार्टनर के साथ छोटी-छोटी बातों पर गलतफहमियां और शक की स्थिति बन सकती है। इस सप्ताह शुक्र देव दसवें भाव में गुरु के साथ बैठेंगे, जिससे काम के तनाव का असर आपकी लव लाइफ पर साफ दिखेगा। आठवें भाव में सूर्य देव की स्थिति भी रिश्तों में कड़वाहट घोल सकती है।

वृश्चिक राशि - बेहद आनंदमय रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के चौथे, पांचवें और छठे भाव में संचरण करेंगे। इस सप्ताह शुक्र देव आपकी राशि से नौवें भाव में गुरु के साथ युति बनाएंगे, जो आपके प्रेम संबंध को एक नई और सकारात्मक दिशा देगा। सातवें भाव में सूर्य देव की उपस्थिति जीवनसाथी के साथ आपके तालमेल को बेहतर करेगी, हालांकि बीच-बीच में थोड़ा अहंकार आ सकता है। पांचवें भाव में शनि देव प्यार में गंभीरता लाएंगे।

धनु राशि- इस सप्ताह शुक्र देव आपकी राशि से आठवें भाव में गुरु के साथ बैठेंगे, जिससे अचानक पारिवारिक कारणों से प्रेम संबंधों में तनाव आ सकता है। छठे भाव में सूर्य देव और सातवें भाव में बुध देव की स्थिति पार्टनर के साथ तीखी बहस करा सकती है। चौथे भाव में शनि देव की मौजूदगी से घरेलू सुख-शांति प्रभावित होगी, जिससे आप प्रेम जीवन का आनंद नहीं ले पाएंगे। इस समय साथी के साथ शांति से पेश आएं और विवाद टालें।

मकर राशि - आपकी राशि के दूसरे, तीसरे और चौथे भाव में गोचर करेंगे। इस सप्ताह शुक्र देव का राशि परिवर्तन कर सातवें भाव में गुरु के साथ युति बनाना आपके रिश्ते में मिठास और नजदीकियां बढ़ाएगा। यदि आप अविवाहित हैं, तो इस सप्ताह आपका विवाह तय होने के प्रबल योग बनेंगे। पांचवें भाव में सूर्य देव की उपस्थिति आपके प्रेम में उत्साह भरेगी।

कुंभ राशि- आपके प्रेम जीवन में मिश्रित प्रभाव की जगह थोड़ा तनाव लेकर आएगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के प्रथम, दूसरे और तीसरे भाव में गोचर करेंगे। आपकी राशि के प्रथम भाव में राहु देव की उपस्थिति आपके मन में भ्रम पैदा करेगी, जिससे आप पार्टनर पर बेवजह शक कर सकते हैं। इस सप्ताह शुक्र देव छठे भाव में गुरु के साथ बैठेंगे, जो प्रेम संबंधों में वाद-विवाद और दूरियां बढ़ा सकता है।

मीन राशि- आपकी राशि के प्रथम भाव में शनि देव आपको अपने रिश्ते के प्रति गंभीर बनाएंगे। इस सप्ताह शुक्र देव पांचवें भाव में गुरु के साथ युति बनाएंगे, जो कि प्रेम का भाव है। इसके प्रभाव से आपकी लव लाइफ में रोमांस और खुशियों की बौछार होगी। पार्टनर के साथ चल रहे पुराने सभी विवाद पूरी तरह समाप्त हो जाएंगे। तीसरे भाव में सूर्य देव आपके रिश्ते को समाज में स्वीकृति दिलाएंगे और प्रेम संबंध मजबूत होंगे।

नाइट स्किन केयर रूटीन

गर्मी का मौसम अपने साथ तेज धूप, गर्म हवाएं और पसीने की समस्या लेकर आता है। जब तापमान लगातार 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच जाता है, तो इसका असर सिर्फ शरीर ही नहीं बल्कि त्वचा पर भी साफ दिखाई देने लगता है। हीटवेव के दौरान स्किन जल्दी डिहाइड्रेट हो जाती है, जिससे चेहरा बेजान, रूखा और थका हुआ नजर आने लगता है। कई लोगों को टैनिंग, सनबर्न, पिंपल्स और त्वचा में जलन जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है। ऐसे में महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स पर निर्भर रहने की बजाय कुछ प्राकृतिक और स्किन-फ्रेंडली उपाय अपनाए जा सकते हैं। खास बात यह है कि रात का समय स्किन रिपेयर के लिए सबसे बेहतर माना जाता है। जब आप सो रहे होते हैं, तब त्वचा खुद को ठीक करने और नई कोशिकाएं बनाने का काम करती है। इसलिए सोने से पहले कुछ खास चीजें चेहरे पर लगाने से त्वचा को अतिरिक्त पोषण और नमी मिलती है। अगर आप भी हीटवेव में अपनी स्किन को हेल्दी, फ्रेश और ग्लोइंग बनाए रखना चाहते हैं, तो रात को ये 5 चीजें लगाना आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

एलोवेरा जेल लगाएं

एलोवेरा त्वचा को ठंडक देने के लिए जाना जाता है। यह सनबर्न और स्किन इरिटेशन को शांत करने में मदद कर सकता है। रात को चेहरे पर पतली परत लगाकर सोने से त्वचा को हाइड्रेशन मिल सकता है। सुबह चेहरा अधिक फ्रेश और मुलायम महसूस हो सकता है।

गुलाब जल से करें स्किन को रिफ्रेश

गुलाब जल एक नैचुरल टोनर की तरह काम करता है। यह त्वचा को ठंडक और ताजगी प्रदान करता है। सोने से पहले कॉटन की मदद से चेहरे पर लगाएं। इससे त्वचा की थकान कम महसूस हो सकती है और स्किन तरोताजा नजर आ सकती है।

खीरे का रस लगाएं-

खीरे में पानी की मात्रा अधिक होती है। यह त्वचा को ठंडक और नमी देने में मदद कर सकता है। खीरे का रस चेहरे पर लगाकर 15-20 मिनट छोड़ें। गर्मी से होने वाली जलन और सूजन में राहत मिल सकती है।

कच्चा दूध करें इस्तेमाल

कच्चे दूध में मौजूद लैक्टिक एसिड त्वचा की सफाई में मदद करता है। यह चेहरे पर जमी धूल और अतिरिक्त ऑयल हटाने में सहायक हो सकता है। कॉटन से चेहरे पर लगाकर कुछ देर बाद धो लें। नियमित उपयोग से त्वचा अधिक साफ और चमकदार दिखाई दे सकती है।

शहद की पतली परत लगाएं

शहद प्राकृतिक मॉइस्चराइजर माना जाता है। यह त्वचा को नमी बनाए रखने में मदद करता है। गर्मियों में डिहाइड्रेटेड स्किन के लिए यह फायदेमंद हो सकता है। 10-15 मिनट लगाने के बाद चेहरा धो लें।

गर्मी में दिखेगा स्टाइलिश ये ट्रेंडी कॉटन सूट डिजाइन्स

गर्मी के मौसम में फैशन और आराम दोनों का संतुलन बनाए रखना थोड़ा मुश्किल हो जाता है, लेकिन कॉटन सूट महिलाओं के लिए सबसे बेहतरीन विकल्प माना जाता है। हल्के, सांस लेने वाले और आरामदायक फैब्रिक की वजह से कॉटन सूट न सिर्फ गर्मी से राहत देता है, बल्कि एक एलिगेंट और ट्रेंडी लुक भी प्रदान करता है। आज के समय में कॉटन सूट केवल साधारण परिधान नहीं रहे, बल्कि इनमें कई आधुनिक डिजाइन्स, प्रिंट्स और स्टाइलिश कट्स देखने को मिलते हैं। चाहे ऑफिस जाना हो, कॉलेज या फिर किसी कैजुअल आउटिंग पर जाना हो, कॉटन सूट हर मौके पर फिट बैठता है। यहां हम आपको कुछ ट्रेंडी सूट के डिजाइन्स दिखाएंगे।

फ्लोरल प्रिंट कॉटन सूट

फ्लोरल प्रिंट कॉटन सूट गर्मियों में सबसे ज्यादा पसंद किए जाते हैं क्योंकि ये हल्के, फ्रेश और आकर्षक लुक देते हैं। इनमें गुलाबी, पीले, नीले और सफेद जैसे हल्के रंगों का उपयोग किया जाता है, जो गर्म मौसम में आंखों को सुकून देते हैं। छोटे या बड़े फूलों के डिजाइन सूट को और भी स्टाइलिश बनाते हैं। यह सूट डेली वियर, ऑफिस और कैजुअल आउटिंग के लिए एकदम सही माना जाता है। इसे सिंपल एक्सेसरीज के साथ आसानी से पेयर किया जा सकता है।

ए-लाइन कॉटन सूट

ए-लाइन कॉटन सूट एक ऐसा डिजाइन है जो ऊपर से फिट और नीचे की ओर फ्लेयर में खुलता है, जिससे शरीर को एक ग्रेसफुल और शेप्ड लुक मिलता है। यह हर बॉडी टाइप पर अच्छा लगता है और खासकर उन महिलाओं के लिए बेस्ट है जो सिंपल लेकिन एलिगेंट लुक चाहती हैं। इसे हल्के झुमके, फ्लैट सैंडल और मिनिमल मेकअप के साथ स्टाइल किया जा सकता है।

अनारकली कॉटन सूट

अनारकली कॉटन सूट ट्रेडिशनल और मॉडर्न फैशन का परफेक्ट कॉम्बिनेशन है। इसकी फ्लेयर्ड डिजाइन इसे रॉयल और फेस्टिव लुक देती है। यह सूट छोटे फंक्शन्स, त्योहारों और फैमिली गेट-टुगेदर के लिए बहुत अच्छा विकल्प है। हल्के कॉटन फैब्रिक में बना अनारकली सूट गर्मियों में भी कंफर्टेबल रहता है।

गर्मियों में दिन में कितनी बार नहाएं

नहाना केवल शरीर को साफ रखने का तरीका नहीं है, बल्कि यह शरीर के तापमान को नियंत्रित करने, त्वचा को स्वस्थ रखने और ताजगी महसूस कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे में जब गर्मी का मौसम आते ही पसीना, चिपचिपाहट और त्वचा संबंधी समस्याएं बढ़ने लगती हैं तो नहाना ही सबसे सही विकल्प लगता है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि गर्मियों में दिन में कितनी बार नहाना चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार, सामान्य परिस्थितियों में दिन में एक से दो बार नहाना पर्याप्त होता है। हालांकि, यह व्यक्ति की जीवनशैली, मौसम की तीव्रता, शारीरिक गतिविधियों और त्वचा के प्रकार पर भी निर्भर करता है। आइए जानते हैं कि गर्मियों में नहाने का सही तरीका और इसके फायदे क्या हैं।

जिन्हें अधिक पसीना आता है

जिन लोगों को अधिक पसीना आता है या जो दिनभर बाहर काम करते हैं, उनके लिए दिन में दो बार नहाना फायदेमंद हो सकता है। शाम को स्नान करने से शरीर पर जमा धूल, पसीना और बैक्टीरिया साफ हो जाते हैं। इससे त्वचा संबंधी समस्याओं जैसे खुजली, रैशेज और फंगल संक्रमण का खतरा कम हो सकता है।

जो लोग जिम जाते हैं

जिम जाने वाले, दौड़ने वाले या शारीरिक मेहनत करने वाले लोगों को वर्कआउट के बाद स्नान जरूर करना चाहिए। व्यायाम के दौरान शरीर से काफी पसीना निकलता है, जो त्वचा पर बैक्टीरिया को बढ़ावा दे सकता है। स्नान करने से त्वचा साफ रहती है और शरीर में ताजगी बनी रहती है।

बच्चों और बुजुर्गों को कितनी बार नहाना चाहिए

बच्चों और बुजुर्गों के लिए भी नियमित स्नान जरूरी है, लेकिन उनकी त्वचा अधिक संवेदनशील होती है। इसलिए बहुत अधिक साबुन या बार-बार नहाने से बचना चाहिए। सामान्यतः दिन में एक बार स्नान पर्याप्त रहता है। जरूरत पड़ने पर गीले तौलिये या स्पंज से शरीर की सफाई की जा सकती है।

मिलेंगे ये फायदे

गर्मियों में नहाने से शरीर का तापमान नियंत्रित रहता है। इससे गर्मी और उमस से राहत मिलती है। स्नान करने से पसीने की दुर्गंध कम होती है और त्वचा साफ रहती है। नियमित स्नान मानसिक तनाव को कम करने में भी मदद करता है और अच्छी नींद लाने में सहायक होता है।
ज्यादा नहाने के नुकसान: हालांकि, जरूरत से ज्यादा नहाना भी नुकसानदायक हो सकता है। बार-बार साबुन लगाने से त्वचा की प्राकृतिक नमी कम हो सकती है, जिससे त्वचा रूखी और बेजान हो सकती है।

देर रात तक नहीं आती नींद?

आजमाएं घरेलू नुस्खे

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी, बढ़ता तनाव, मोबाइल और लैपटॉप का ज्यादा इस्तेमाल लोगों की नींद पर बुरा असर डाल रहा है। कई लोग रात को घंटों बिस्तर पर करवटें बदलते रहते हैं, लेकिन उन्हें आसानी से नींद नहीं आती। पर्याप्त और अच्छी नींद न मिलने से न केवल शरीर थका हुआ महसूस करता है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। लगातार नींद की कमी से तनाव, चिड़चिड़ापन, कमजोरी और कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। हालांकि, कुछ आसान घरेलू उपाय और लाइफस्टाइल में छोटे बदलाव आपकी इस समस्या को दूर करने में मदद कर सकते हैं। अगर आप भी देर रात तक जागते रहते हैं और अच्छी नींद की तलाश में हैं, तो यह लेख आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। यहां हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खों के बारे में बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप बेहतर और सुकून भरी नींद पा सकते हैं।

सोने से पहले गुनगुना दूध पिएं

अगर आपको रात में देर तक नींद नहीं आती है, तो गुनगुना दूध आपकी मदद कर सकता है। दूध में ट्रिप्टोफैन नामक अमीनो एसिड पाया जाता है, जो शरीर में सेरोटोनिन और मेलाटोनिन जैसे हार्मोन के निर्माण में मदद करता है। ये हार्मोन नींद को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। गर्म दूध पीने से शरीर को आराम महसूस होता है और तनाव कम हो सकता है। बेहतर परिणाम के लिए सोने से लगभग 30 मिनट पहले एक गिलास गुनगुना दूध पिएं। चाहें तो इसमें एक चुटकी हल्दी या थोड़ा शहद भी मिला सकते हैं।

मोबाइल और स्क्रीन से दूरी बनाएं

मोबाइल, लैपटॉप और टीवी से निकलने वाली ब्लू लाइट मेलाटोनिन हार्मोन के उत्पादन को प्रभावित करती है। मेलाटोनिन वह हार्मोन है जो शरीर को सोने का संकेत देता है। जब इसका स्तर कम होता है तो नींद आने में देरी हो सकती है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि सोने से कम से कम 45 मिनट से 1 घंटे पहले सभी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का इस्तेमाल बंद कर देना चाहिए। इसकी जगह किताब पढ़ना या रिलैक्सिंग गतिविधियां करना बेहतर विकल्प हो सकता है।

कैमोमाइल या हर्बल चाय पिएं

कैमोमाइल टी और अन्य हर्बल चाय लंबे समय से प्राकृतिक रूप से नींद को बेहतर बनाने के लिए इस्तेमाल की जाती रही है। कैमोमाइल में ऐसे एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं जो दिमाग को शांत करने और तनाव कम करने में मदद कर सकते हैं। अगर आप दिनभर की भागदौड़ और मानसिक तनाव के कारण सो नहीं पाते हैं, तो सोने से पहले एक कप हर्बल चाय पीना फायदेमंद हो सकता है।

स्कूल खुलने से पहले सभी तैयारियां पूरी करें, बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता : कलेक्टर अभिजीत सिंह

जिले के शासकीय एवं निजी विद्यालयों के प्राचार्यों और प्रबंधकों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

दुर्ग। नए शैक्षणिक सत्र को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में शंकराचार्य कॉलेज ऑफ नर्सिंग, हुडको भिलाई में जिले के शासकीय एवं निजी विद्यालयों के प्राचार्यों और प्रबंधकों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर अभिजीत सिंह ने स्कूल खुलने से पहले सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। कलेक्टर ने पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता की समीक्षा करते हुए बताया कि शासकीय हाई स्कूलों में पुस्तकें पहुंच चुकी हैं, जबकि सेजस एवं निजी विद्यालयों में अगले तीन-चार दिनों में उपलब्ध हो जाएगी। उन्होंने स्कूल परिसरों की साफ-सफाई, पेयजल, वॉटर फिल्टर, शौचालय, पाठ्यपुस्तक, गणवेश एवं साइकिल वितरण की व्यवस्था समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही जर्जर भवनों को अनुमति लेकर डिस्मेंटल करने और मरम्मत योग्य भवनों की शीघ्र मरम्मत कराने को कहा। बैठक में पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता बताई। उन्होंने स्कूल बसों की नियमित जांच और चालकों की मॉनिटरिंग करने, भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने तथा स्कूलों में नशामुक्ति अभियान चलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी अप्रिय घटना की रोकथाम के लिए सुरक्षा मानकों का पालन आवश्यक है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिले में सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में दुपहिया वाहन चालकों को हेलमेट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने के लिए विशेष रूप से प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने सभी को हेलमेट पहनने, कार चलाते समय सीट बेल्ट लगाने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, आपातकालीन वाहनों को रास्ता देने, वैध ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने एवं वाहन के सभी आवश्यक दस्तावेज पूर्ण रखने की अपील की, जिससे सड़क सुरक्षा नियमों का पालन कर ही दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। कलेक्टर सिंह ने स्कूलों में 14 वर्ष पूर्ण कर चुकी एवं 15 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी टीकाकरण हेतु बच्चों एवं अभिभावकों को प्रेरित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अभिभावकों की सहमति प्राप्त कर अधिक से अधिक बालिकाओं का टीकाकरण सुनिश्चित करने को कहा। स्वास्थ्य विभाग की टीकाकरण अधिकारी ने बताया कि यह टीका सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम में प्रभावी है और केवल एक बार लगाया जाएगा। बैठक में विद्यार्थियों के बायोमेट्रिक अपडेट कार्य की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने बताया कि जिले में 96 प्रतिशत बच्चों का बायोमेट्रिक अपडेट हो चुका है। शेष बच्चों का कार्य पूरा करने के लिए स्कूलों में विशेष शिविर लगाए जाएंगे। उन्होंने सभी प्राचार्यों को समन्वय बनाकर सितंबर तक शत-प्रतिशत बायोमेट्रिक अपडेट सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि स्कूल खुलने के बाद विद्यार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। समीक्षा बैठक में जिला सेनानी एवं जिला अग्निशमन अधिकारी, नगर सेना ने विद्यालयों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में आगजनी की घटनाओं की आशंका को देखते हुए सभी स्कूलों में विद्यार्थियों के लिए फायर सेफ्टी मॉकड्रिल आयोजित की जाए।

सुशासन तिहार में भी नहीं हुआ क्षतिग्रस्त सार्वजनिक शौचालय का निर्माण, ग्रामीणों में नाराजगी

अम्लेश्वर/पाटन। जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत ग्राम पंचायत पाहंदा (अ) में स्थित क्षतिग्रस्त सार्वजनिक शौचालय का निर्माण तक नहीं हो सका है। यह स्थिति तब है जब प्रदेश सरकार द्वारा सुशासन तिहार के अंतर्गत समाधान शिविर आयोजित कर ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण का दावा किया जा रहा है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार की स्वच्छ भारत मिशन योजना के तहत गांव-गांव में सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण कर स्वच्छता का संदेश दिया गया है। साथ ही ग्रामीणों को घरों में शौचालय निर्माण के लिए अनुदान राशि भी प्रदान की गई, ताकि गांव स्वच्छ एवं सुंदर बन सकें। इसके बावजूद ग्राम पंचायत पाहंदा (अ) में पंचायत मुख्यालय के समीप बाजार चौक स्थित सार्वजनिक शौचालय वर्षों से क्षतिग्रस्त अवस्था में पड़ा हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार शौचालय का निर्माण पूर्ण होने के बाद उसका विधिवत लोकार्पण भी नहीं हो पाया था। इसी दौरान सड़क चौड़ीकरण कार्य के तहत शौचालय के एक हिस्से को तोड़ दिया गया और बाद में उसे उसी हालत में छोड़ दिया गया। वहीं पाहंदा से अम्लेश्वर मार्ग का निर्माण कार्य पूर्ण होकर सड़क चकाचक बन गई, लेकिन शौचालय की स्थिति जस की तस बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम पंचायत के सचिव, सरपंच तथा अन्य जनप्रतिनिधि इस समस्या के समाधान में असफल साबित हो रहे हैं। क्षतिग्रस्त भवन के संपर्क में छोटे-छोटे बच्चे भी आ जाते हैं, जिससे किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। इसके अलावा शौचालय परिसर में कूड़ा-कचरा फेंके जाने से स्वच्छता व्यवस्था पर भी प्रश्नचिह्न लग रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि संबंधित विभाग एवं ब्लॉक स्तर के जिम्मेदार अधिकारी भी इस गंभीर समस्या को लेकर मौन साधे हुए हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जनहित एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए क्षतिग्रस्त सार्वजनिक शौचालय का शीघ्र निर्माण कराया जाए तथा परिसर की नियमित साफ -सफाई सुनिश्चित की जाए।आप चाहें तो मैं इसे स्थानीय समाचार पत्र की शैली में और अधिक प्रभावशाली तथा प्रकाशन योग्य रूप में भी तैयार कर सकता हूँ।

यातायात व्यवस्थाओं में सुधार एवं सड़क दुर्घनाओं के रोकथाम को लेकर जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

विभागों द्वारा की गयी कार्यों के अद्यतन प्रगति की समीक्षा

दुर्ग। जिले में यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने और सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गयी। कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में वरिष्ट पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल भी शामिल हुए। बैठक के प्रारंभ में विगत बैठक के पालन प्रतिवेदन की विभागवार समीक्षा की गयी। जिसमें अधिकारियों ने कार्य पूर्ण होने, अद्यतन प्रगति एवं की गयी विभागीय कार्यवाहियों की जानकारी दी। साथ ही जिले की सड़कों में यातायात सुरक्षा को और सुदृढ़ बनाने के लिए विभिन्न सुझावों पर विचार-विमर्श कर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गए। कलेक्टर सिंह ने यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने तथा सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए प्रभावी उपाय अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में आवश्यकता अनुसार अधिकारियों को सौंपे गए विभागीय कार्य, रिफ्लेक्टर, स्पीड ब्रेकर एवं स्ट्रीट लाईट लगवाने के निर्देश दिए। उन्होंने एनएचएआई, लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग, लोक निर्माण विभाग (भ./स. एवं वि./या.) को दुर्घटनाजन्य स्थलों का निरीक्षण कर आवश्यक त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसके अलावा भिलाई इस्पता संयंत्र वाहनों के लिए भारतमाला सड़क से जोड़ने, भारतमाला सड़क पर पुरई के पास बोगदा की हाइट बढ़ाने, भिलाई में केनाल रोड निर्माण तथा बारिश के पूर्व सभी अण्डरब्रिजों की सफाई एवं आवश्यक मरम्मत पर भी चर्चा की गयी। बैठक में एडीएम वीरेन्द्र सिंह, एएसपी यातायात सुश्रुता मिश्रा, नगर निगम आयुक्त भिलाई राजीव पाण्डेय, नगर निगम आयुक्त दुर्ग सुमीत अग्रवाल, एसडीएम दुर्ग हरवंश सिंह मिरी, एसडीएम भिलाई/भिलाई-03 महेश राजपूत, एसडीएम घमधा सोनल डेविड सहित लोक निर्माण विभाग, परिवहन, विद्युत विभाग, एनएचएआई, एनएचआई, पुलिस विभाग और बीएसपी के अधिकारीगण उपस्थित थे।

नारकोटिक्स नियंत्रण अभियान के संबंध में जिला स्तरीय समिति की बैठक संपन्न

नशीली पदार्थ तस्करों की जानकारी टोल फ्री नं. 1933 में दे सकते हैं

दुर्ग। जिले में नारकोटिक्स नियंत्रण अभियान को प्रभावी बनाने कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गयी। कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में जिले में मादक पदार्थों के रोकथाम, नशा मुक्ति केन्द्रों की व्यवस्थाओं तथा संबंधित विभागों द्वारा की जा रही कार्यवाहियों की समीक्षा की गई। बैठक में वरिष्ट पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल शामिल हुए। पुलिस अधीक्षक अग्रवाल ने अवगत कराया कि खुर्सीपार, कुम्हारी, सिकोलाभाठा एवं अन्य चिन्हित स्थानों पर नशीली पदार्थों के आदतन तस्करों पर विशेष नजर रखी जा रही है। साथ ही नारकोटिक्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्यवाहियां भी की जा रही है। तस्करों एवं सार्वजनिक स्थानों पर नशे का सेवन कर व्यवधान करने वालों की सूचना देने हेतु विभाग द्वारा टोल फ्री नं. 1933 जारी की गई है। आम जनता उक्त टोल फ्री नं. पर सूचना दे सकते है। विभाग द्वारा सूचना देने वालों का नाम गोपनीय रखा जाएगा। एसएसपी ने ड्रग लाइसेंसी कंपनियों एवं ई-काममर्स कंपनियों द्वारा ड्रग की सप्लाई पर चिंता जाहिर करते हुए औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारियों को इस पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए। औषधि प्रसाधन अधिकारी ने अवगत कराया कि उनकी टीम द्वारा सभी मेडिकल दुकानों की जांच की जा रही है। साथ ही बिक्री किए जा रही मेडिसिन्स की रिकार्ड रखने के निर्देश दिए गए है। वहीं नारकोटिक्स दवाइयों के रिकार्ड में गड़बड़ी मिलने पर मेडिकल दुकानों के खिलाफ कार्यवाही भी की गई है। शिक्षा विभाग द्वारा स्कूलों से संबंधित स्पोर्ट्स आफिसरों को खेल मैदान एवं परिसर के आस-पास मादक पदार्थों के बिक्री पर नजर रखने के निर्देश दिए गए है। कलेक्टर सिंह ने जिले में नारकोटिक्स एवं नशा मुक्ति अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु अधिकारियों को विभागीय समन्वय के साथ कार्य करने कहा।

शासकीय भूमि पर अवैध निर्माण ध्वस्त, निगम की बड़ी कार्रवाई

भिलाईनगर। जोन-2 वैशाली नगर क्षेत्र में शासकीय भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण के खिलाफकड़ी कार्रवाई की गई। निगम की संयुक्त टीम ने मंगलवार को अवैध निर्माण को ध्वस्त कर अतिक्रमण हटाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार दीपेश कुमार नथवानी द्वारा अपने 650 वर्गफीट रजिस्ट्री क्षेत्रफल के अतिरिक्त शासकीय भूमि पर अवैध निर्माण किया गया था। इस संबंध में प्रस्तुत अभ्यावेदन को जिला नियमितीकरण समिति एवं आयुक्त राजस्व संभाग स्तर पर निरस्त कर दिया गया था। निगम के जोन-2 वैशाली नगर राजस्व विभाग द्वारा संबंधित निर्माणकर्ता को कई बार नोटिस जारी कर रजिस्ट्री क्षेत्र से अतिरिक्त शासकीय भूमि पर किए गए निर्माण को स्वयं हटाने के निर्देश दिए गए थे। साथ ही समय-समय पर निगम को इसकी जानकारी देने के लिए भी कहा गया था, लेकिन निर्माणकर्ता द्वारा अवैध निर्माण नहीं हटाया गया। इसके बाद 9 जून 2026, मंगलवार को जोन-2 वैशाली नगर के राजस्व विभाग, बेदखली विभाग तथा पुलिस बल की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध निर्माण के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उसे ध्वस्त कर दिया। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है। कि शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा या निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

'विश्व बाल श्रम निषेध दिवस '

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के पूर्व राज्य मंत्री बदरुद्दीन कुरैशी ने, विश्व बाल श्रम निषेध दिवस प्रत्येक वर्ष 12 जून को मनाया जाता है । इस दिवस की शुरुआत वर्ष 2002 में (इंटरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन) द्वारा की गई थी । इसका उद्देश्य बाल श्रम की समस्या के प्रति लोगों को जागरूक करना तथा बच्चों को शिक्षा सुरक्षा और बेहतर भविष्य का अधिकार दिलाना है। बाल श्रम बच्चों की शारीरिक मानसिक और सामाजिक विकास में बाधा उत्पन्न करता है। आज भी विश्व के अनेक देशों में लाखों बच्चे आर्थिक मजबूरियों के कारण श्रम करने को विवश है । इस दिवस के माध्यम से सरकारे सामाजिक संगठनों और नागरिकों को बाल श्रम उन्मूलन के लिए मिलकर कार्य करने का संदेश दिया जाता है । विश्व बाल श्रम निषेध दिवस हमें यह संकल्प लेने की प्रेरणा देता है कि प्रत्येक बच्चे को शिक्षा स्वास्थ्य और सुरक्षित बचपन उपलब्ध कराया जाए । बाल श्रम मुक्त समाज का निर्माण ही इस दिवस का मुख्य उद्देश्य है इसलिए हमें बाल श्रम का विरोध करते हुए बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए सदैव प्रयासरत रहना चाहिए। बचपन का अधिकार, शिक्षा का उपहार - बाल श्रम का करें बहिष्कार।

नीट-2026 परीक्षा की तैयारियों को लेकर कलेक्टर ने ली बैठक, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

दुर्ग। आगामी नीट-2026 परीक्षा की तैयारियों को लेकर कलेक्टर अभिजीत सिंह ने शंकराचार्य कॉलेज ऑफ नर्सिंग, हुडको भिलाई में परीक्षा केन्द्रों के प्राचार्यों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिले के 19 परीक्षा केन्द्रों में 21 जून को आयोजित होने वाली परीक्षा को लेकर व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि परीक्षा जैसे संवेदनशील कार्य में किसी भी प्रकार की त्रुटि की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। एसओपी का कड़ाई से पालन करते हुए पूरी गंभीरता एवं सतर्कता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने सभी परीक्षा केन्द्रों में पेयजल, पंखे, प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षा केन्द्रों के 100 मीटर के दायरे में किसी भी प्रकार का कोचिंग सेंटर संचालित नहीं होना चाहिए तथा केन्द्र परिसर में टेंट, एलईडी या अन्य अनावश्यक व्यवस्थाएं नहीं लगाई जाएं। परीक्षार्थियों की सुविधा और सुरक्षा को देखते हुए सभी केन्द्रों में स्वास्थ्य कर्मियों की तैनाती भी की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि परीक्षा संचालन के दौरान किसी भी प्रकार की शिकायत या अव्यवस्था की स्थिति नहीं बननी चाहिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल सहित जिले के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों के प्राचार्य उपस्थित थे।

कर्बला के शहीदों की याद में मनाया जाएगा मोहर्रम

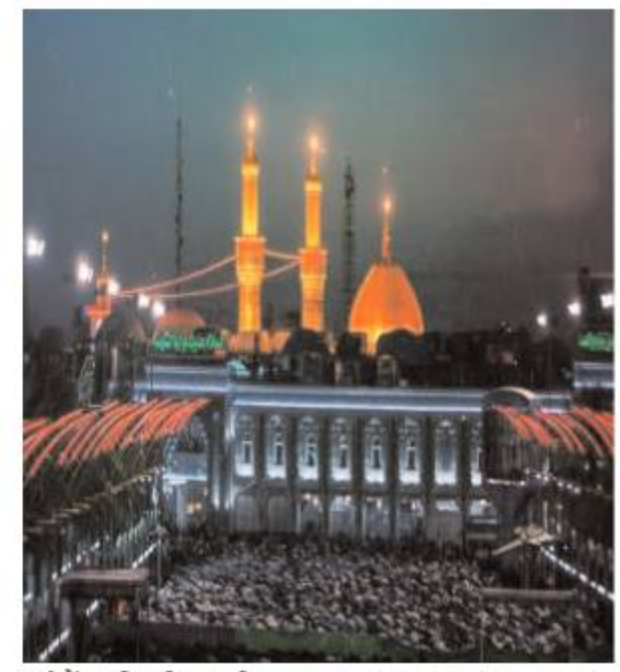

दुर्ग में 10दिवसीय तकरीर (प्रवचन) का आयोजन, अंजुमन इस्लाहुल मुस्लेमीन कमेटी की तैयारी शुरू

दुर्ग।अंजुमन इस्लाहुल मुस्लेमीन कमेटी द्वारा 10 दिवसीय मोहर्रम के अवसर पर तकरीर (प्रवचन) का आयोजन किया जा रहा है.जिसमें दस दिनों तक कर्बला के शहीदों के बारे में जानकारी दी जाएंगी। तकिया पारा ईदगाह मैदान में हर साल की तरह इस साल भी 17जून से 26जून तक 10 दिवसीय तकरीर प्रवचन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जा रहा है। जिसमे मौलाना हासिम कानपुरी 10दिन 1मोहर्रम से 10मोहर्रम तक तकरीर करेंगे. और साथ ही साथ पैगमबर साहब के वंसज पीर सैय्यद जामी अशरफ साहब किछोछा शरीफ (उ प्र) से भी आ रहे है. जो 8मोहर्रम से 10मोहर्रम तक अपना तकरीर (प्रवचन) करेंगे। अंजुमन के जुनैद आज़मी ने जानकारी देते हुए बताया कि, कार्यक्रम का 65वा वर्ष है.इस साल कार्यक्रम 17जून को शाम बाद नमाज़ मगरिब परचम कुशाई (ध्वजारोहण)किया जायेगा. 18जून गुरुवार से 26जून शुक्रवार तक प्रवचन का आयोजन होगा.साथ ही साथ पैगम्बर साहब के वंसज सरकार जामी मिया भी काफ़ी सालो बाद दुर्ग शहर में आ रहे है. जिससे मुस्लिम समाज में हर्ष का माहौल है। कार्यक्रम में दुर्ग एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग शामिल होगे । आयोजन स्थल पर आवश्यक व्यवस्थाएं भी की गई हैं। प्रोग्राम तकिया पारा ईदगाह मैदान मे रात्रि 10 बजे से शुरू हो जायेगा.और साथ ही साथ महिलाओ के लिए अलग से बैठने की व्यवस्था की गई है।

सीसी रोड, नाली और पुलिया निर्माण से नागरिकों को मिलेगी बेहतर सुविधा

वार्ड 38 एवं 39 में सीसी रोड, नाली और पुलिया निर्माण कार्यों की सौगात, महापौर ने किया भूमिपूजन

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और नागरिकों को बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में विकास कार्य लगातार जारी हैं। इसी क्रम में आज महापौर अलका बाघमार ने वार्ड क्रमांक 39 एवं वार्ड क्रमांक 38 में विभिन्न निर्माण कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया। वार्ड क्रमांक 39 में डॉ. कौशिक के घर से मुकुंद भवन तक सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। वहीं वार्ड क्रमांक 38 में पदम पाटनी के निवास से आशीष मारूति के निवास तक, मधुबन वाटिका से खंडेलवाल कॉलोनी तक तथा वार्ड के विभिन्न स्थानों में आर.सी.सी. नाली एवं पुलिया निर्माण कार्यों की आधारशिला रखी गई। इसके अलावा मिलपारा क्षेत्र में भी नाली एवं पुलिया निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, एमआईसी सदस्य शेखर चन्द्राकर, नीलेश अग्रवाल, पार्षद गुलाब वर्मा, पार्षद रामचंद्र सेन, रंजीता पाटिल, सहायक अभियंता सुरेश केवलानी, उप अभियंता मोहित मरकाम सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम का लक्ष्य प्रत्येक वार्ड में आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम में जलभराव और आवागमन संबंधी समस्याओं को रोकने के लिए नाली, पुलिया और सड़क निर्माण कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। इन कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी तथा जल निकासी व्यवस्था भी मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि नगर निगम जनहित से जुड़े विकास कार्यों को निरंतर गति प्रदान कर रहा है और नागरिकों की आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाबद्ध तरीके से कार्य किए जा रहे हैं। लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर ने कहा कि निगम क्षेत्र में विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा

उन्होंने बताया कि सड़क, नाली और पुलिया जैसे कार्य सीधे तौर पर आम नागरिकों के जीवन को प्रभावित करते हैं, इसलिए इन कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों से प्राप्त सुझावों के आधार पर वार्डों में आवश्यक विकास कार्य स्वीकृत किए जा रहे हैं, जिससे लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। कार्यक्रम के दौरान पार्षदों एवं स्थानीय नागरिकों ने बारिश के पूर्व महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों की सौगात मिलने पर महापौर अलका बाघमार एवं नगर निगम प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया तथा क्षेत्र के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com